आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 160 | उज्जैन, शनिवार 03 मई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

कृषि उद्योग समागम का 3 मई को मंदसौर में मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे शुभारंभ

कृषि-उद्यानिकी में नवाचार और उद्यमिता का अभिनव संगम

भोपाल। कृषि एवं उद्यानिकी क्षेत्र में नवाचार, तकनीकी उन्नयन और कृषक कल्याण को समर्पित 'कृषि उद्योग समागम-2025' का 3 मई को मंदसौर में भव्य आयोजन होगा। एक दिवसीय समागम का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, कृषि मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, क्षेत्रीय सांसद, विधायकगण तथा प्रदेश भर से आए कृषक, उद्यमी, निर्यातक और एफपीओ प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे।

कृषक सम्मेलन एवं विशेषज्ञ मार्गदर्शन- समागम में कृषि एवं उद्यानिकी के विशेषज्ञों द्वारा नवीनतम तकनीकों पर विस्तृत मार्गदर्शन किसानों और उद्यमियों को प्रदान किया जायेगा, जिसका लाभ वह अपने कृषि और खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों को बेहतर बनाने में कर सकेंगे।

नवीन कृषि तकनीकों का प्रदर्शन-समागम स्थल पर देश के कृषि और उद्यानिकी के क्षेत्र में आधुनिक यंत्रों, उपकरणों का उत्पादन करने वाली इकाइयों द्वारा स्टॉल लगाये जायेंगे। इनमें आधुनिक कृषि यंत्र ट्रैक्टर, हैप्पी सीडर, प्याज-लहसुन बुआई यंत्र, ड्रोन, एआई आधारित उपकरण, पॉवर स्प्रेयर, सूक्ष्म सिंचाई संयंत्र ड्रिप, मिनी स्प्रिंकलर, सेंसर-आधारित उर्वरक संयंत्र, कृषि एवं उद्यानिकी की नवीनतम एवं उन्नत किस्में, पॉली/नेट हाउस, मल्चिंग, पौंड लाइनिंग आदि, जैविक व नैनो फर्टिलाइज़र, कस्टमाइज्ड माइक्रो न्यूट्रिएंट्स, गौशाला उत्पाद, दुग्ध एवं हर्बल उत्पाद, पशु आहार, ब्यूटी प्रोडक्ट्स, बायो-फ्लॉक्स, टैंक व केज कल्चर मॉडल, एक्वेरियम डिस्प्ले शामिल हैं।

प्राकृतिक एवं जैविक खेती के मॉडल-समागम में भाग लेने वाले किसानों और एफपीओ प्रतिनिधियों के लिये प्राकृतिक और जैविक खेती का लाइव प्रदर्शन किया जायेगा, जिसके माध्यम से किसान भाई जैविक खेती की आधुनिक और उन्नत तकनीक से अवगत हो सकेंगे।

कौन हैं मटका क्वीन जया छेड़ा? जिसे गोवा पुलिस ने किया गिरफ्तार, गैंबलिंग से जुड़े हैं तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। गोवा की राजधानी पणजी समेत कई इलाकों में पुलिस ने बड़े जुआ कारोबार का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गोवा की कई जगहों पर छापामारी की। इस छापेमारी में मटका क्वीन जया छेड़ा का नाम भी सामने आया है। पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है। गोवा के पणजी में शुक्रवार की रात कई जगहों पर पुलिस ने धावा बोल दिया। आंध्र प्रदेश के दौरे पर भी जाएंगेन मटका क्वीन जया छेड़ा समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

12 लोगों को किया गिरफ्तार- गोवा पुलिस के प्रवक्ता ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार को क्राइम ब्रांच ने पणजी, मापुसा, पोरवोरिम, मडगांव, वास्को, पोंडा, मंड्रेम और पेनरेम समेत कई जगहों पर छापा मारा। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 12 शिकायतें दर्ज करते हुए 12 लोगों को हिरासत में लिया है।

पुलिस की रडार पर मटका के कई लोग - पुलिस की FIR में कई मटका (सट्टेबाजी और लॉटरी का खेल) संचालकों के नाम भी शामिल हैं। इनमें से कुछ लोगों की पहचान चंदुभाई ठक्कर, अलियास डीसूजा, गणेश्याम भाई और जया छेड़ा के रूप में हुई है।

मरीजों के लिए जेनेरिक दवाइयां ही लिखें, सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों को दिया आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों को किसी विशेष कंपनी की दवाइयां न लिखने की नसीहत दी है। इसके साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने डॉक्टरों के अपील की है वो मरीजों के लिए जेनेरिक दवाइयां ही लिखें। सुप्रीम कोर्ट से पहले राजस्थान उच्च न्यायालय ने भी ऐसा ही फैसला सुनाया था।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा- सुप्रीम कोर्ट ने दवा कंपनियों से जुड़ी याचिका की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की है। इस याचिका में दवा कंपनियों पर मनमानी का आरोप लगाया गया था। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अगर पूरे देश में इस फैसले का पालन हो, तो इससे अहम सुधार हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की पीठ संदीप मेहता, विक्रम नाथ और संजय करोल ने यह आदेश दिया है।

मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा- डॉक्टरों पर अक्सर दवा कंपनियों से रिश्वत लेने का आरोप लगता है। ऐसे में अगर डॉक्टर जेनेरिक दवाएं लिखेंगे, तो उनपर लगने वाले इल्जाम का मुद्दा भी हल हो जाएगा। इससे पहले राजस्थान हाईकोर्ट ने भी इस संबंध में कार्यकारी आदेश जारी किया था।

पाकिस्तान को लगेगा एक और बड़ा झटका! अब IMF से लोन मिलने पर लटकी तलवार; भारत ने कर दी ये अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आंतकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कड़े कदम उठाए हैं। जिससे पाकिस्तान तिलमिला उठा है। इस बीच माना जा रहा है कि पाक को एक और झटका लग सकता है।

ऐसा इसलिए क्योंकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के कार्यकारी बोर्ड की बैठक 9 मई को होने जा रही है। इसी बैठक के दौरान जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पाकिस्तान 1.3 अरब डॉलर के समझौते का रिव्यू भी लिया जाना है। वहीं, अगर सब कुछ ठीक रहा तो 7 बिलियन डॉलर के बेलआउट पैकेज पर भी बात बन सकती है। हालांकि, इससे पहले भारत ने एक खास अपील IMF से कर दी है।

भारत ने की लोन की समीक्षा करने की मांग- दरअसल, समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि भारत ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से पाकिस्तान को दिए गए अपने ऋणों की समीक्षा करने को कहा है। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच के रिश्तों में तनाव है। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में आतंकियों ने 26 पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया था।

IMF के सामने पाकिस्तान ने फैलाए हाथ - जानकारी दें कि कंगाल पाकिस्तान ने IMF के सामने एक बार फिर से अपना हाथ फैलाया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का कार्यकारी बोर्ड 9 मई को पाकिस्तान के आर्थिक कार्यक्रमों के रिव्यू के लिए बैठक करेगा।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने फिर उगला जहर, पहलगाम हमले के बाद सिख सैनिकों से कहा- युद्ध से दूर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद से पूरे देश में आक्रोश का माहौल है। इस बीच खालिस्तानी आतंकवादी पन्नू ने भारतीय सिख सेना के जवानों के लिए भड़काऊ संदेश पोस्ट किया। खालिस्तान समर्थक आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारतीय सेना में शामिल सिख सैनिकों से अपील की है कि अगर भारत पाकिस्तान के साथ युद्ध करता है तो वे इस लड़ाई में शामिल न हो।

उसने कहा कि इस्लामाबाद सिखों और खालिस्तान के लिए दोस्त है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पन्नू ने एक वीडियो संदेश में कहा, अगर भारत पाकिस्तान पर हमला करता है, तो यह भारत और पीएम मोदी के लिए अंतिम युद्ध होगा। भारतीय पक्ष के पंजाबी पाकिस्तानी सेना के लिए लंगर परोसेंगे।

पाकिस्तान के खिलाफ मत लड़ो- पन्नू ने आगे कहा, अब समय आ गया है कि नरेंद्र मोदी के अंधराष्ट्रवादी युद्ध को ना कहा जाए। पाकिस्तान के खिलाफ मत लड़ो। पाकिस्तान तुम्हारा दुश्मन नहीं है। पाकिस्तान सिख लोगों और खालिस्तान के लिए एक मित्र देश है और रहेगा। एक बार जब हम पंजाब को आजाद करा लेंगे, तो पाकिस्तान हमारा पड़ोसी होगा।

पीएम मोदी ने दी थी सेना को खुली छूट - पिछले हफ्ते पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बहुत अधिक है, जिसमें जम्मू-कश्मीर के रिसॉर्ट शहर में 25 भारतीयों सहित 26 लोग मारे गए थे।

खेलते-खेलते फिसला पैर और, तेलंगाना में 3 बच्चों की दर्दनाक मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के नागरकुरनूल में एक ही गांव के 3 बच्चे तालाब में डूबकर मर गए। कुछ बच्चे तालाब के पास खेल रहे थे, तभी अचानक 3 बच्चे तालाब में गिरे और उनकी मृत्यु हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने बच्चों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कैसे हुआ हादसा- यह घटना बीती शाम तकरीबन 4-5 बजे की है। नागरकुरनूल के पेड्डाकोथापल्ली इलाके में एक बड़ा सा तालाब है। तालाब के पास मौजूद एक गांव के 6 बच्चे गुरुवार की शाम को यहां खेल रहे थे।

आज का कार्यक्रम कई लोगों की नींद हराम करेगा, PM मोदी ने शशि थरूर का नाम लेकर क्यों कहा ऐसा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केरल के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने केरल को एक खास सौगात दी है। पीएम मोदी ने केरल के विझिनजम में विझिनजम अंतर्राष्ट्रीय बदरगाह का उद्घाटन किया है, जो गहरे पानी में बनाया जाएगा।

केरल के विझिनजम से पीएम मोदी का वीडियो सामने आया है, जिसमें वो रिमोट से इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन करते नजर आ रहे हैं। इस खास मौके पर केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन भी मौजूद रहे।

पीएम मोदी ने क्या कहा- विझिनजम अंतर्राष्ट्रीय गहरे पानी के बहुउद्देशीय बंदरगाह के बारे में बताते हुए पीएम मोदी ने कहा, यहां दुनिया के बड़े मालवाहक जहाज आसानी से आ सकेंगे। अभी तक भारत का 75त्न ट्रांसशिपमेंट देश के बाहर के पोर्ट्स पर होता था इससे बहुत बड़ा नुकसान होता आया है। ये परिस्थिति अब बदलने जा रही है। अब देश का पैसा देश के काम आएगा। जो पैसा बाहर जाता था अब वो केरल और विझिनजम के लोगों के लिए नए अवसर लेकर आएगा।

विझिनजम में लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन इंडिया गठबंधन के मजबूत पिलर हैं। यहां कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी बैठे हैं। आज का यह कार्यक्रम कई लोगों की नींद हराम कर देगा।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत सरकार ने राज्य सरकार के सहयोग से सागरमाला परियोजना के तहत पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया है। पोर्ट कनेक्टिविटी को भी बढ़ाया है।

गौतम अडानी ने किया अभिनंदन- विझिनजम में अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी भी मौजूद रहे। उन्होंने पीएम मोदी का अभिनंदन किया। बता दें कि यह परियोजना सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड के साथ मिलकर तैयार की जाएगी।

ऐसी जेल जहां खुंखार अपराधियों की भी कांप जाती रूह

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेल, ये एक ऐसा शब्द है जिससे हर कोई दूर रहना चाहता है। जेल के अंदर जाते ही अच्छे-अच्छे खूंखार अपराधियों तक की बोलती बंद हो जाती है और जेल में कैदियों को कई तरह की परिस्थितियों का सामना भी करना पड़ता है।

जेलों में ग्रुप बनाकर रहना और एक गुट का दूसरे गुट से टकराव होना ये आम बात है। कई जेलों में आपसी रंजिश में कैदियों की मौत तक हो जाती है और कहीं-कहीं तो कैदी जेल की यातनाएं झेल नहीं पाते हैं। आज हम दुनिया की 10 ऐसी जेलों के बारे में जानेंगे जो सबसे खतरनाक होने के साथ-साथ वहां किस तरह के कैदी रखे जाते हैं।

अल सल्वाडोर की CECOT जेल - दुनिया की सबसे खतरनाक जेलों की लिस्ट में पहले नंबर पर अल सल्वाडोर की CECOT जेल है। 23 हेक्टेयर में बनी ये जेल राजधानी सैन साल्वाडोर से 70 किलोमीटर पूर्व में एक ग्रामीण क्षेत्र में अलग-थलग जगह पर है।

इस जेल में 40 हजार कैदियों को रखने की क्षमता है और इस जेल का नाम है सेंटर फॉर टैररिज्म कनफाइनमेंट यानी सीकॉट। इस जेल को धरती का नर्क कहा जाता है क्योंकि इस हाई सिक्योरिटी टैररिस्ट प्रिजन में जो एक बार गया, वो कभी बाहर नहीं आ सकता है।

अल्काट्राज़ संघीय जेल, अमेरिका- इस जेल में कैदियों को काफी ज्यादा कठोर वातावरण में रहना पड़ता है और लोगों की पहुंच से दूर बने इस जेल को कुछ सबसे खतरनाक अपराधियों के इतिहास के लिए जाना जाता है।

रिकर्स आइलैंड, अमेरिका- अमेरिका की सबसे बड़ी शहरी जेलों में से एक रिकर्स आइलैंड भी दुनिया की खतरनाक जेलों में से एक है। इस जेल में रैपर टुपैक शकूर और पूर्व आईएमएफ प्रमुख डोमिनिक स्ट्रॉस-कान सहित कई हाई प्रोफाइल कैदी रह चुके हैं।

अमेरिकी सैन्य जेल ग्वांतानामो बे, क्यूबा- क्यूबा में स्थित अमेरिकी सैन्य जेल ग्वांतानामो बे को बिना किसी मुकदमे के लोगों को हिरासत में रखने के लिए जाना जाता है, इस प्रथा की काफी आलोचना भी होती रही है है।

होंगो जेल, मेक्सिको- मेक्सिको में स्थित एल होंगो जेल अपने खतरनाक और अव्यवस्थित माहौल के लिए बदनाम है। जेल के इतिहास में कई दंगे और भागने की घटनाएं हुई हैं।

ला सबानेटा जेल, वेनेजुएला- वेनेजुएला की ला सबानेटा जेल, अत्यधिक भीड़, हिंसा, आपूर्ति की कमी और अपर्याप्त सुरक्षा के कारण कैदियों के लिए सबसे खराब जेलों में से एक है।

बैंग क्लांग सेंट्रल जेल, थाईलैंड- थाईलैंड की बैंग क्लांग सेंट्रल जेल में कैदियों के साथ कठोर व्यवहार, लंबी सजा, क्रूर परिस्थितियां और मौत की सजा के कारण यह सबसे खतरनाक जेलों में से एक है।

अफगानिस्तान के जिस बगराम एयर बेस पर कभी था अमेरिका, आज वहां चीन का कब्जा, डोनाल्ड ट्रंप ने किया बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि चीन ने अफगानिस्तान में बगराम एयर बेस पर कब्जा कर लिया है। अमेरिका ने जुलाई 2021 में इस एयरबेस को खाली कर दिया था। उन्होंने कहा कि हम बगराम अपने पास रखने वाले थे, जो चीन के परमाणु हथियार बनाने के स्थान से एक घंटे की दूरी पर है।

ट्रंप ने कहा था कि आप बगराम को नहीं छोड़ सकते। ट्रंप व्हाइट हाउस में 2025 के राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इसके लिए बाइडन प्रशासन पर आरोप लगाया।

हमने 13 सैनिकों को खो दिया- ट्रंप ने कहा कि हमने 13 सैनिकों को खो दिया और 42 बुरी तरह से घायल हो गए। कोई भी उनके बारे में बात नहीं करता, पैर, हाथ, चेहरा। बुरी तरह से घायल, ऐसा कभी नहीं हुआ होता। ऐसा होना संभव नहीं था। वह 26 अगस्त 2021 को काबुल के हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एबी गेट बम विस्फोट का जिक्र कर रहे थे, जिसमें 13 अमेरिकी सैनिक और 160 नागरिक मारे गए थे।

एयरफील्ड में 11,800 फीट का रनवे- बगराम एयरफील्ड अफगानिस्तान के परवान प्रांत में स्थित है, जो चारिकर शहर से लगभग 11 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व और काबुल से 47 किलोमीटर उत्तर में है। इस एयरफील्ड में 11,800 फीट का रनवे है, जो बमवर्षक और बड़े मालवाहक विमानों के संचालन को आसान बनाता है।

ऑस्ट्रेलिया के हाईवे पर भीषण हादसा, ट्रक पलटने से 30 किमी तक फैला 750 किलो मेटल

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार की सुबह एक ट्रक ने ऑस्ट्रेलिया के सबसे व्यस्त राजमार्गों में से एक पर 750 किलोग्राम (1,653 पाउंड) नुकीला धातु का मलबा फैला दिया, जिससे शहर की ओर जाने वाली लेन बंद करनी पड़ी। सड़क पर पड़े नुकीले धातु की वजह से सैकड़ों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

न्यू साउथ वेल्स राज्य पुलिस ने कहा कि यह घटना सुबह के समय एम1 पैसिफिक मोटरवे पर हुई और इस घटना में 300 से अधिक वाहनों के टायर क्षतिग्रस्त हो गए।

बंद किया गया राजमार्ग - रूब, एक मालवाहक और यात्री मार्ग है जो सिडनी के उत्तर में है। फिलहाल इस राजमार्ग को आंशिक रूप से बंद किया गया है क्योंकि आपातकालीन सेवाएं चुंबकों का उपयोग कर मलबे को साफ करने में जुटी है।

राज्य राजमार्ग गश्ती कमांडर हॉवर्ड कोलिन्स ने कहा कि मोटरवे को फिर से खोलने में अभी कई घंटे और लग सकते हैं। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह सिर्फ़ सड़क साफ करने वाले को बुलाने या झाड़ू लगाने का मामला नहीं है। हम कुछ चुंबकीय उपकरणों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हम राजमार्ग में फैले धातु को हटा रहे हैं। इसमें बहुत समय लग सकता है।

खौफ के साए में पाक! PoK में होटल और गेस्टहाउस में सेना... मदरसों को किया गया बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी ज्यादा बढ़ गया है। इस बीच पाक अधिकृत कश्मीर में भी हड़कंप मचा हुआ है और वहां के प्रधानमंत्री चौधरी अनवर-उल-हक ने संकेत दिए हैं कि यदि हालात बिगड़ते हैं तो क्षेत्र में आपातकाल लागू किया जा सकता है।

पर्यटकों के प्रवेश पर लगी रोक- भारत की संभावित सैन्य कार्रवाई की आशंका के बीच सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर नीलम घाटी और नियंत्रण रेखा के निकटवर्ती संवेदनशील इलाकों में पर्यटकों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही धार्मिक मदरसों को 10 दिनों के लिए बंद करने का आदेश भी दिया गया है।

पीओके के प्रधानमंत्री ने दावा किया है कि भारत की आक्रमकता की स्थिति में भोजन, दवाएं और अन्य जरूरी चीजों की आपूर्ति सुनिश्चित करने की पूरी तैयारी कर ली गई है। आपातकालीन फंड में एक अरब रुपये ट्रांसफर कर दिए गए हैं और होटल, गेस्टहाउस तथा शादी हॉल के संचालकों ने अपनी संपत्तियां सेना को देने की पेशकश की है। अधिकारियों ने नीलम घाटी और एलओसी के आसपास के संवेदनशील इलाकों में स्थित मदरसों को 10 दिनों के लिए बंद करने का फैसला किया है।

रक्षा मंत्री के बाद अब बिलावल भुट्टो का कबूलनामा, खुद ही खोली पाक की पोल; कहा- आतंकियों को पालकर हमने...

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बाद पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के चेयरमैन बिलावल भुट्टो का बयान सामने आया है। बिलावल भुट्टो ने ख्वाजा आसिफ के आतंकवाद वाले बयान पर मुहर लगा दी है। ख्वाजा आसिफ ने पहलगाम में हुए हमले के बाद अपने बयान में कहा था, पाकिस्तान में आतंकवादी पलते हैं। अब इसके बाद बिलावल भुट्टो ने कहा, इस मामले में पाकिस्तान का अपना अतीत रहा है। पूर्व विदेश मंत्री ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान आतंकवादी समूहों को समर्थन देने में जुड़ा हुआ है।

पाकिस्तान का एक अतीत है- स्काई न्यूज के यल्दा हकीम से बातचीत में भुट्टो ने कहा, जहां तक रक्षा मंत्री ने कहा है, मुझे नहीं लगता कि यह कोई रहस्य है कि पाकिस्तान का एक अतीत है, नतीजतन, हमने भुगता है। यह कोई राज नहीं, जिसे छिपाया जा रहा। पाकिस्तान ने भुगता है। हम चरमपंथ की लहर से गुजरे हैं। लेकिन हमने जो झेला है, उसके परिणामस्वरूप हमने अपने सबक भी सीखे हैं। हमने इस समस्या को हल करने के लिए आंतरिक सुधार किए हैं।

पाकिस्तान शांति चाहता है-बिलावल भुट्टो - भुट्टो ने आगे कहा, जहां तक पाकिस्तान के इतिहास का सवाल है, यह इतिहास है और यह ऐसा कुछ नहीं है जिसमें हम आज हिस्सा ले रहे हैं। अब यह सब इतिहास है, और हम इसमें अब शामिल नहीं हैं।

गुरुवार को मीरपुर खास में एक रैली को संबोधित करते हुए भुट्टो ने एक बार फिर दावा किया कि पाकिस्तान शांति चाहता है लेकिन अगर भारत ने उन्हें उकसाया तो वह युद्ध के लिए तैयार है।

दो दिन में ही कॉलेज छोड़ देने वाले एलन मस्क कैसे बने Richest Man? 385 बिलियन डॉलर की संपत्ति के पीछे ये है राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की कुल संपत्ति 385.6 बिलियन डॉलर है। 53 वर्षीय एलन मस्क टेस्ला, स्पेसएक्स, xAI और न्यूरालिंक जैसी कंपनियों के सीईओ हैं। इसके साथ ही वे डोनाल्ड ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार हैं और DOGE के चीफ हैं।

एलन मस्क ने कई जगह निवेश करके इतनी संपत्ति बनाई है। मस्क का जन्म 1989 में दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया में हुआ था। उन्होंने पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय से स्नातक किया है और फिर अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए वो कैलिफोर्निया चले गए थे।

मस्क के बारे में खास बातें- एलन मस्क के पिता एरोल मस्क एक इलेक्ट्रोमैकेनिकल इंजीनियर और प्रॉपर्टी डेवलपर थे।

उनकी मां मे एक मॉडल और डाइटिशियन थीं।

10 साल की उम्र में उन्होंने अपने पहले कंप्यूटर से ही कोडिंग शुरू कर दी थी।

मस्क ने अपनी पहली बिक्री के रूप में 500 डॉलर में खुद के द्वारा बनाए गए वीडियो गेम को बेचा था।

मस्क ने 17 साल की उम्र में दक्षिण अफ्रीका छोड़ दिया और 1989 में अनिवार्य सैन्य सेवा से बचने के लिए कनाडा चले गए।

उन्होंने कुछ समय के लिए ओंटारियो में क्वीन्स यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की और फिर 1995 में यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया से स्नातक की डिग्री हासिल की।

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से पीएचडी करने के लिए भौतिकी में दाखिला लेने के बाद मस्क ने दो दिन बाद ही पढ़ाई छोड़ दी थी।

कैसे शुरू हुई बिजनेस मैन बनने की यात्रा- एलन मस्क की यात्रा ZIPw से शुरू हुई, जो 1995 में उनके भाई किम्बल के साथ मिलकर स्थापित की गई एक सॉफ्टवेयर कंपनी थी।

मुझे 227 लोगों को मारने का लाइसेंस मिला..., ऑडियो क्लिप मामले में बढ़ी शेख हसीना की मुश्किलें, कारण बताओ नोटिस जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें फिर बढ़ती नजर आ रही है। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने शेख हसीने और उनके सहयोगी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एक ऑडियो क्लिप के आधार पर न्यायमूर्ति मुर्जता मजूमदार की अध्यक्षता वाले न्यायाधिकरण ने ये आदेश पारित किया है।

15 मई तक जवाब देने का निर्देश- शेख हसीने पर न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप और धमकियां देने के आरोप लगे हैं। आईसीटी में अभियोजक गाजी एमएच तमीम ने बताया कि हसीना और प्रतिबंधित छात्र लीग नेता शकील आलम बुलबुल को 15 मई तक कारण बताओ नोटिस का जवाब देने का निर्देश दिया गया है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक ऑडियो क्लिप सामने आया, जिसमें कथित तौर पर बांग्लादेश की पूर्व पीएम कह रही हैं, मुझे 227 लोगों को मारने का लाइसेंस मिला है। मेरे खिलाफ 227 मामले दर्ज किए गए हैं। वकील तमीम ने बताया कि आईसीटी ने क्लिप की फॉरेंसिक जांच के बाद ये नोटिस जारी किया है।

8 व्यक्तियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी- इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने गुरुवार को नारायणगंज में पिछले साल जुलाई में हुए जन विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ अपराध करने के आरोपी आठ व्यक्तियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया है।

रेलवे दे रहा 5 लाख का इनाम जीतने का मौका, एक घड़ी बदल सकती है किस्मत

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे के लिए डिजिटल घड़ी डिजाइन करने वाले को पांच लाख रुपये का पुरस्कार मिलेगा। रेल मंत्रालय ने नई डिजिटल घड़ियां डिजाइन करने के लिए राष्ट्रीय प्रतियोगिता शुरू करने की घोषणा की है। इन घड़ियों को देश के सभी रेलवे स्टेशनों पर लगाया जाएगा।

मंत्रालय ने कहा, रेलवे ने रचनात्मक लोगों से इस काम के लिए नाम देने को कहा है। प्रतिभागी तीन श्रेणियों में प्रतियोगिता में शामिल हो सकेंगे। इनमें पेशेवर, कॉलेज/विश्वविद्यालय के छात्र और स्कूली छात्र के लोग भाग ले सकते हैं।

पांच लाख का एलान - जिस व्यक्ति द्वारा डिजाइन की गई घड़ी को रेलवे में इस्तेमाल के लिए चुना जाएगा उसे पांच लाख रुपये का पुरस्कार मिलेगा। इसके साथ ही तीनों श्रेणियों में से प्रत्येक में 50 हजार रुपये के पांच सांत्वना पुरस्कार होंगे।

प्रतिभागियों को एक मई से 31 मई 2025 के बीच अपने डिजाइन ऑनलाइन पेश करने होंगे। रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) दिलीप कुमार के अनुसार, प्रतिभागी कई डिजाइन पेश कर सकते हैं। प्रत्येक प्रविष्टि के साथ संक्षिप्त नोट होना चाहिए जिसमें डिजाइन के पीछे की थीम को समझाया गया हो।

स्कूल आइडी कार्ड करना होगा अपलोड- सभी डिजाइन मौलिक हों और किसी बौद्धिक संपदा अधिकार या कॉपीराइट का उल्लंघन न करें। स्कूल श्रेणी के तहत कक्षा 12 तक के छात्र शामिल हो सकते हैं। इसके लिए स्कूल आइडी कार्ड अपलोड करना होगा।

सुहास शेट्टी की मौत पर मंगलुरु में बवाल, हिन्दू संगठनों के बंद को लेकर हाई अलर्ट पर कर्नाटक पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मंगलुरु में कुछ हिन्दू संगठनों ने बंद का एलान कर दिया है। पूर्व बजरंग दल के नेता 42 वर्षीय सुहास शेट्टी की मौत के बाद मंगलुरु में लगातार प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। बंद के मद्देनजर कर्नाटक पुलिस ने कुछ संवेदनशील इलाकों की सुरक्षा कड़ी कर दी है। यहां लोगों पर कई तरह के प्रतिबंधन लगाए गए हैं।

मंगलुरु में तैनात ्छत्रक्क आर हितेंद्र ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि सुहास शेट्टी का अंतिम संस्कार बंटवाल में होगा। पुलिस उस पूरे इलाके की सुरक्षा बढ़ा दी है।

पुलिस का कहना है कि सुहास की हत्या करने वालों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस इस हत्याकांड में शामिल लोगों के नाम तलाश रही है। आरोपियों को जल्द ही हिरासत में लिया जाएगा। पुलिस ने कहा -

हमनें लोगों ने इलाके में कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। अगर आप मंगलुरु का इतिहास देखें, तो इस तरह की घटना कोई नई बात नहीं लगती। हालांकि पुलिस आरोपियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

भारत कर रहा है वैश्विक मीडिया संवाद की मेजबानी, पीएम मोदी ने किया था उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में वेव्स शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ है। इस वैश्विक मीडिया संवाद भारत को दुनिया के अलग-अलग देशों की मीडिया और मनोरंजन परिदृश्य से जोड़ने में मदद करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते दिन इस चार दिवसीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया था। यह आयोजन सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सहयोग से किया गया है।

वैश्विक मीडिया संवाद के उद्घाटन सत्र को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा प्रौद्योगिकी और परंपरा को मिलकर एकसाथ चलना चाहिए। प्रौद्योगिकी देश की अनमोल विरासत के प्रति लोगों को जागरुक करती है, जिससे युवा पीढ़ियों की चेतना गहरी होती है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर के अनुसार, नवाचार की धारणा ऊंचाई तक पहुंचने की कुंजी है, जो 2047 तक एक विकसित भारत की नींव रखेगी। ऐसे में देश की परंपराओं, विरासत, विचारों और रचनात्मकता को बढ़ावा देने की जरूरत है।

सूचना और प्रसारण मंत्री का भाषण- सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव भी इस खास मौके पर मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर मीडिया और मनोरंजन उद्योग का पूरा बाजार लगभग 3 खरब अमेरिकी डॉलर का है। संस्कृति ही रचनात्मकता को प्रेरित करती है। यह अलग-अलग देशों के लोगों को जोड़ती है।

कांस्टीट्यूशन क्लब में हुआ आदिगुरु शंकराचार्य जयंती समारोह का आयोजन, कई बड़े नेता रहे मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के सभागार में आदिगुरु शंकराचार्य जयंती समारोह का आयोजन युवा चेतना के तत्वावधान में हुआ। जयंती समारोह का उद्घाटन स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी,भारत सरकार के संस्कृति और पर्यटन विभाग के कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत,भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया पूर्व न्यायमूर्ति शिवकीर्ति सिंह,सांसद नीरज शेखर,भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डा. संजय मयुख,युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह एवं अन्य गणमान्य लोगों ने दीप प्रज्वलित कर किया।

सभी अतिथियों ने आदिगुरु शंकराचार्य के चित्र पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा की आदिगुरु शंकराचार्य हमारे आराध्य हैं, हम उनके दिखाए हुए रास्ते पर चलने हेतु संकल्पित हैं।

पीएम मोदी ने जयंती पर घोषित किया अवकाश- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने आदिगुरु शंकराचार्य की जयंती पर अवकाश घोषित किया और स्वामी करपात्री जी महाराज के स्मृति में डाक टिकट जारी किया हम उनका आभार व्यक्त करते हैं।स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा की सनातन के खिलाफ बोलने वालों का कोई अस्तित्व नहीं है।

%आदिगुरु शंकराचार्य सनातन धर्म के सूर्य थे% - ब्रह्मचारी ने आगे कहा, भारत सरकार के संस्कृति और पर्यटन विभाग के कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा आदिगुरु शंकराचार्य सनातन धर्म के सूर्य थे। श्री शेखावत ने कहा की अखंड भारत के नवनिर्माण में उन्होंने अद्भुत काम किया। श्री शेखावत ने कहा की हमारी सरकार भी आदिगुरु शंकराचार्य जी के विचारों के अनुरूप काम कर रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने कहा की आदिगुरु शंकराचार्य ने देश को नई दिशा दी और आज हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत का निर्माण हो रहा है।

टुकड़ों में बंट चुका है पाकिस्तान, BJP सांसद बोले- 10 हजार से अधिक लोगों का कत्ल हुआ या गायब हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद निशिकांत दूबे ने शुक्रवार को चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा कि पाकिस्तान टुकड़ों में बंट गया है। उन्होंने उनके यहां जारी आपसी संघर्ष में करीब 10 हजार से अधिक लोग मारे गए हैं या फिर गायब हो गए हैं।

उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने आतंकी हाफिज सईद और अंडरव?र्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम को बलूचों का सफाया करने का निर्देश दिया है।

निशिकांत दूबे ने एक्स पर पोस्ट में कहा, पाकिस्तानी सेना ने खून के प्यासे हाफिज सईद और दाऊद इब्राहिम को बलूचों और भारत के प्रदर्शनकारियों की हत्या करने का आदेश दिया है। पिछले 15 दिनों में करीब 10 हजार से अधिक लोग मारे गए हैं या फिर गायब हो गए हैं। पाकिस्तान टुकड़ों में बंट चुका है।

भारत और पाकिस्तान में तनाव चरम पर - निशिकांत दूबे का यह बयान ऐसे समय में आया है जब पहलगाम आतंकी हमले को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव अपने चरम पर है। दोनों देशों के बीच सुरक्षा को लेकर चिंता भी बढ़ चुकी है। इसके चलते दोनों पक्षों में कूटनीतिक संबंध में अपने निचले स्तर पर हैं।

इसी तरह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संयुक्त महासचिव कृष्ण गोपाल ने कहा कि पाकिस्तान में असहिष्णुता बढ़ गई है। इसके चलते पड़ोसी मुल्क में रहने वाले विभिन्न समुदायों के बीच एकजुटता में खासी कमी आ गई है। उन्होंने एक पुस्तक के विमोचन पर कहा कि विश्व इस वक्त घातक चीज असहिष्णुता का सामना कर रहा है।

पाकिस्तान बनाया गया था और बेहतर यही होता कि वहां सारे मुसलमान शांतिपूर्वक रहते, लेकिन पाकिस्तान बनने के बाद वहां बांग्ला और उर्दू बोलने वालों के बीच तनाव हो गया। पाकिस्तान में अब भी वह असहिष्णुता कायम है। सिंधी, पश्तून और बलूच एक साथ नहीं रहना चाहते हैं।

मुझे नहीं पता प्रधानमंत्री मोदी ऐसा क्यों...? पीएम मोदी के नींद हराम करने वाले बयान पर क्या बोली कांग्रेस?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज केरल के दौरे पर थे। विझिनजम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह का उद्घाटन करते हुए पीएम मोदी ने कुछ ऐसा कहा, जिससे सियासी गलियारों में खलबली मच गई। वहीं, अब पीएम मोदी के बयान पर कांग्रेस पार्टी ने भी अपना पहला रिएक्शन दे दिया है।

क्या बोले केसी वेणुगोपाल- कांग्रेस के महासचिव के.सी.वेणुगोपाल ने पीएम मोदी के बयान पर चुप्पी तोड़ी है। के.सी.वेणुगोपाल का कहना है कि प्रधानमंत्री ने ऐसा क्यों कहा उन्हें नहीं पता, लेकिन पीएम मोदी ही वो व्यक्ति होंगे, जिनकी रातों की नींद उड़ जाएगी।

के.सी.वेणुगोपाल ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा - मुझे नहीं पता कि प्रधानमंत्री ऐसा क्यों कह रहे हैं... प्रधानमंत्री ही वह व्यक्ति होंगे जिनकी रातों की नींद उड़ जाएगी, न कि द्धद्धछद्ध गठबंधन, राहुल गांधी या कांग्रेस। हम जाति जनगणना के मुद्दे पर अधिकतम दबाव बनाने जा रहे हैं। उन्होंने इसे महिला आरक्षण विधेयक की तरह घोषित किया। हम तो चैन की नींद सो लेंगे, लेकिन प्रधानमंत्री के लिए सोना मुश्किल होने वाला है।

एक्स पर किया पोस्ट- के.सी.वेणुगोपाल यहीं नहीं रुके, उन्होंने एक्स प्लेटफॉर्म पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि पहलगाम जैसे खौफनाक हमले के बाद भी प्रधानमंत्री विपक्ष की नींद हराम करने में लगे हैं। उनकी प्राथमिकताएं साफ हैं। वो अपने असली मास्टर अडाणी की सराहना करने में लगे हैं।

पीएम मोदी का बयान- बता दें कि केरल के विझिनजम में कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन इंडिया गठबंधन के मजबूत पिलर हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण षष्ठमी

संपादकीय

समाचार पत्र और पत्रकार (मीडिया) समाज के दर्पण कहे जाते हैं

समाचार पत्र और पत्रकार (मीडिया) समाज के दर्पण कहे जाते हैं। समाज को आज भी इनसे काफी उम्मीदें हैं। समाज के अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति न्याय की खातिर अपनी बात को शासन-सत्ता के शीर्ष पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाने में जब असमर्थ हो जाता है तो वह इस दर्पण रूपी समाचार पत्र और पत्रकार की शरण में आता है। वह इस खातिर कि मीडिया के माध्यम से उसकी आवाज को संबंधित व्यक्ति तक ज़रूर पहुंचाया जा सकता है। उसे विश्वास होता है, आखिरकार हो भी क्यों न, पत्रकारिता का इतिहास ही इतना गौरवमई है। अगर बात करें देश के आजादी या नौकरशाही के विरुद्ध बिगुल बजाने की तो ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं जब समाचार पत्रों और पत्रकारों ने समाज के शोषितों, पीड़ितों, गरीबों और मजलूमों की आवाज बनकर शासन-सत्ता से लेकर नौकरशाहों को आड़े हाथ लिया है। देश की आजादी में भी पत्रकारिता का बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिसको भुलाया नहीं जा सकता है। स्वतंत्रता आंदोलन के महानायकों के साथ-साथ पत्रकारिता के महानायकों ने भी अपनी कलम रूपी तलवार से अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने का कार्य किया। तब जब संसाधनों का अभाव हुआ करता था, पत्रकारिता का अपना एक लक्ष्य और मिशन था। इस मिशन भरी पत्रकारिता में तमाम तरह की परेशानियां थीं, बावजूद इसके उस दौर की पत्रकारिता के महानायकों ने कलम की ताकत को कभी झुकने नहीं दिया था। उनकी कलम आग उगला करती थी। कालांतर में व्यवस्थाएं बदलीं हैं, संसाधन बदले हैं तो पत्रकारिता की जिम्मेदारियां भी बढीं हैं। काफी कुछ बदलाव भी हुआ है। खासकर सोशल मीडिया के युग में प्रिंट मीडिया की महत्ता कहने को भले ही घटी है, लेकिन देखा जाए तो इसकी उपयोगिता नहीं घटी है, बल्कि जिम्मेदारियां बढ़ी हैं। इन्हीं के साथ आज की पत्र और पत्रकारिता के समक्ष कई गंभीर चुनौतियां भी सामने खड़ी हुई हैं। इन चुनौतियों में से सबसे प्रमुख चुनौती पत्रकारिता में बढ़ते घुसपैठ की है। आज की 'मिशन पत्रकारिता' में ऐसे घुसपैठियों की एंट्री तेजी से हुई है, जिन्हें पत्रकारिता के उसूलों और सिद्धांतों से कोई लेना-देना या सरोकार नहीं है। यदि उन्हें कुछ सरोकार है तो सिर्फ अपने निजी स्वार्थों का, जिनके चलते पत्रकारिता की गरिमा दिनोंदिन धूल धूसरित होती जा रही है। जिस प्रकार से पत्रकारिता में घुसपैठियों की भरमार होती जा रही है, वह न केवल चिंतनीय है, बल्कि पत्रकारिता की गरिमा के विपरीत भी है। जिनके काले-कारनामों की वजह से पत्रकारिता की गरिमा को ठेस भी पहुंचा है। यदि गौर से देखा जाए तो इस अव्यवस्था के लिए कोई और नहीं बल्कि अपने लोग ही जिम्मेदार हैं। चंद पैसों की खातिर पत्रकारिता के उसूलों और सिद्धांतों को ताक पर रख मिशन को 'कमीशन' में परिवर्तित कर दुकानदारी चलाने वाले कुछेक लोगों ने इस क्षेत्र का माखौल उड़ाने का कार्य किया है। जिनकी करतूतों से कहीं न कहीं मिशन पत्रकारिता को जीवित रखने वाले उन महान मनीषियों की आत्मा को ठेस पहुंच रहा है, जिन्होंने अपने जीवन प्रयत्न पत्रकारिता को मिशन की भांति जीने का कार्य किया है।

अपने मिशन से भटक आज की पत्रकारिता कई गुटों में बंटी नज़र आती है। जिसने पत्रकारों को एकता के सूत्र में पिरोने की बजाय उन्हें भटकाव की राह पर ला खड़ा किया है। कहना ग़लत नहीं होगा कि शौचालय से लेकर सचिवालय तक के लोग अपनों पर आने वाली आपदा-विपदा के दौरान न केवल एक साथ खड़े नज़र आते हैं, बल्कि डंके के साथ अपनी बातों को मनवाने में कामयाब भी होते हैं।

अंतरराष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस

अंतरराष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस प्रत्येक वर्ष 3 मई को मनाया जाता है। प्रेस किसी भी समाज का आइना होता है। प्रेस की आज़ादी से यह बात साबित होती है कि उस देश में अभिव्यक्ति की कितनी स्वतंत्रता है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में प्रेस की स्वतंत्रता एक मौलिक ज़रूरत है। आज हम एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं, जहाँ अपनी दुनिया से बाहर निकल कर आसपास घटित होने वाली घटनाओं के बारे में जानने का अधिक वक्त हमारे पास नहीं होता। ऐसे में प्रेस और मीडिया हमारे लिए एक खबर वाहक का काम करती हैं, जो हर सवेरे हमारी टेबल पर गरमा गर्म खबरें परोसती हैं। यही खबरें हमें दुनिया से जोड़े रखती हैं। आज प्रेस दुनिया में खबरें पहुंचाने का सबसे बेहतरीन माध्यम है।

शुरुआत

अंतरराष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाने का निर्णय वर्ष 1991 में यूनेस्को और संयुक्त राष्ट्र के जन सूचना विभाग ने मिलकर किया था। इससे पहले नामीबिया में विन्डंहॉक में हुए एक सम्मेलन में इस बात पर जोर दिया गया था कि प्रेस की आज़ादी को मुख्य रूप से बहुवाद और जनसंचार की आज़ादी की ज़रूरत के रूप में देखा जाना चाहिए। तब से हर साल 3 मई को अंतरराष्ट्रीय प्रेस स्वीतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्रेस की आज़ादी

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भी 3 मई को अंतरराष्ट्रीय प्रेस स्वातंत्रता की घोषणा की थी। यूनेस्को महासम्मेलन के 26वें सत्र में 1993 में इससे संबंधित प्रस्ताव को स्वीकार किया गया था। इस दिन के मनाने का उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता के विभिन्न प्रकार के उल्लघंनों की गंभीरता के बारे में जानकारी देना है, जैसे- प्रकाशनों की कांट-छांट, उन पर जुर्माना लगाना, प्रकाशन को निलंबित कर देना और बंद कर देना आदि। इनके अलावा पत्रकारों, संपादकों और प्रकाशकों को परेशान किया जाता है और उन पर हमले भी किये जाते हैं। यह दिन प्रेस की आज़ादी को बढ़ावा देने और इसके लिए सार्थक पहल करने तथा दुनिया भर में प्रेस की आज़ादी की स्थिति का आकलन करने का भी दिन है। अधिक व्यावहारिक तरीके से कहा जाए, तो प्रेस की आज़ादी या मीडिया की आज़ादी, विभिन्न इलैक्ट्रोनिक माध्यमों और प्रकाशित सामग्री तथा फ़ोटोग्राफ़ वीडियो आदि के जरिए संचार और अभिव्यक्ति की आज़ादी है। प्रेस की आज़ादी का मुख्य रूप से यही मतलब है कि शासन की तरफ से इसमें कोई दख़लंदाजी न हो, लेकिन संवैधानिक तौर पर और अन्य क़ानूनी प्रावधानों के जरिए भी प्रेस की आज़ादी की रक्षा ज़रूरी है।

मीडिया की आज़ादी का मतलब है कि किसी भी व्यक्ति को अपनी राय कायम करने और सार्वजनिक तौर पर इसे जाहिर करने का अधिकार है। इस आज़ादी में बिना किसी दख़लंदाजी के अपनी राय कायम करने तथा किसी भी मीडिया के जरिए, चाहे वह देश की सीमाओं से बाहर का मीडिया हो, सूचना और विचार हासिल करने और सूचना देने की आज़ादी शामिल है। इसका उल्लेख मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के अनुछेद 19 में किया गया है। सूचना संचार प्रौद्योगिकी तथा सोशल मीडिया के जरिए थोड़े समय के अंदर अधिक से अधिक लोगों तक सभी तरह की महत्वपूर्ण ख़बरें पहुंच जाती हैं। यह समझना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि सोशल मीडिया की सक्रियता से इसका विरोध करने वालों को भी स्वयं को संगठित करने के लिए बढ़ावा मिला है और दुनिया भर के युवा लोग अपनी अभिव्यक्ति के लिए और व्यापक रूप से अपने समुदायों की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति के लिए संघर्ष करने लगे हैं। इसके साथ ही यह समझना भी ज़रूरी है कि मीडिया की आज़ादी बहुत कमज़ोर है। यह भी जानना ज़रूरी है कि अभी यह सभी की पहुंच से बाहर है। हालांकि मीडिया की सच्ची आज़ादी के लिए माहौल बन रहा है, लेकिन यह भी ठोस वास्तविकता है कि दुनिया में कई लोग ऐसे हैं, जिनकी पहुंच बुनियादी संचार प्रौद्योगिकी तक नहीं है। जैसे-जैसे इंटरनेट पर ख़बरों और रिपोर्टिंग का सिलसिला बढ़ रहा है, ब्लॉग लेखकों सहित और अधिक इंटरनेट पर पत्रकारों को परेशान किया जा रहा है और हमले किये जा रहे हैं।

भारत में प्रेस की स्थिति

भारत जैसे विकासशील देशों में मीडिया पर जातिवाद और सम्प्रदायवाद जैसे संकुचित विचारों के ख़िलाफ़ संघर्ष करने और ग़रीबी तथा अन्य सामाजिक बुराइयों के ख़िलाफ़ लड़ाई में लोगों की सहायता करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, क्योंकि लोगों का एक बहुत बड़ा वर्ग पिछड़ा और अनभिज्ञ है, इसलिये यह और भी ज़रूरी है कि आधुनिक विचार उन तक पहुंचाए जाएं और उनका पिछड़ापन दूर किया जाए, ताकि वे सजग भारत का हिस्सा बन सकें। इस दृष्टि से मीडिया की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। भारत में संविधान के अनुच्छेद 19 (1 ए) में भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लेख है, लेकिन उसमें शब्द प्रेस का ज़िक्र नहीं है, किंतु उप-खंड (2) के अंतर्गत इस अधिकार पर पाबंदियां लगाई गई हैं। इसके अनुसार भारत की प्रभुसत्ता और अखंडता, राष्ट्र की सुरक्षा, विदेशों के साथ मैत्री संबंधों, सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता और नैतिकता के संरक्षण, न्यायालय की अवमानना, बदनामी या अपराध के लिए उकसाने जैसे मामलों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर पाबंदियां लगाई जा सकती हैं।

सूचना का अधिकार क़ानून

समूचे विश्व में सूचना तक सुलभ पहुंच के बारे में बढ़ती चिंता को देखते हुए भारतीय संसद द्वारा 2005 में पास किया गया सूचना का अधिकार क़ानून बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। इस क़ानून में सरकारी सूचना के लिए नागरिक के अनुरोध का निश्चित समय के अंदर जवाब देना बहुत ज़रूरी है। इस क़ानून के प्रावधानों के अंतर्गत कोई भी नागरिक सार्वजनिक अधिकरण (सरकारी विभाग या राज्य की व्यवस्था) से सूचना के लिए अनुरोध कर सकता है और उसे 30 दिन के अंदर इसका जवाब देना होता है। क़ानून में यह भी कहा गया है कि सरकारी विभाग व्यापक प्रसारण के लिए अपने आँकड़ों तथा दस्तावेज़ों का कम्प्यूटरीकरण करेंगे और कुछ विशेष प्रकार की सूचनाओं को प्रकाशित करेंगे, ताकि नागरिकों को औपचारिक रूप से सूचना न मांगनी पड़े। संसद में 15 जून, 2005 को यह क़ानून पास कर दिया था, जो 13 अक्टूबर, 2005 से पूरी तरह लागू हो गया।

संक्षेप में, यह क़ानून प्रत्येक नागरिक को सरकार से सवाल पूछने, या सूचना हासिल करने, किसी सरकारी दस्तावेज़ की प्रति मांगने, किसी सरकारी दस्तावेज़ का निरीक्षण करने, सरकार द्वारा किये गए किसी काम का निरीक्षण करने और सरकारी कार्य में इस्तेमाल सामग्री के नमूने लेने का अधिकार देता है। सूचना का अधिकार क़ानून एक मौलिक मानवाधिकार है, जो मानव विकास के लिए महत्वपूर्ण है तथा अन्य मानवाधिकारों को समझने के लिए पहली ज़रूरत है। पिछले 7 वर्षों के अनुभव से, जब से यह क़ानून लागू हुआ है, पता चलता है कि सूचना का अधिकार क़ानून आवश्यकता के समय एक मित्र जैसा है, जो आम आदमी के जीवन को आसान और सम्मानजनक बनाता है तथा उसे सफलतापूर्वक जन सेवाओं के लिए अनुरोध करने और इनका उपयोग करने का अधिकार देता है।

संवाददाताओं को श्रद्धांजलि देने का दिन

अंतरराष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस प्रेस की स्वतंत्रता का मूल्यांकन, प्रेस की स्वतंत्रता पर बाहरी तत्वों के हमले से बचाव और प्रेस की सेवा करते हुए दिवंगत हुए संवाददाताओं को श्रद्धांजलि देने का दिन है। आज हमारा मीडिया अपना दायित्व ठीक तरीके से नहीं निभा रहा है। कुछ लोगों को छोड़कर श्रद्धांजलि देने का काम भी हमारा मीडिया शायद ही ठीक से कर रहा है।

भारत को मिल सकती है अमेरिका से बेहतर ट्रेड डील, जेफरीज ने गिनाईं ये वजहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और चीन के बीच चल रहा ट्रेड वार सुर्खियों में बना हुआ है। इससे विश्व अर्थव्यवस्था पर भी बुरा असर पड़ रहा है। हालांकि कई देशों को इनके ट्रेड वार से फायदा हो सकता है। जेफरीफ की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रेड वार के चलते भारत और जापान दोनों को ही अमेरिका से बेहतर डील मिल सकती है। जिससे उद्योगपतियों को बढ़ा फायदा होगा।

जेफरीज की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका और चीन के बीच चल रहे ट्रेड वार से भारत और जापान, अमेरिका के साथ बेहतर तरीके से डील कर सकता है। हालांकि ये दोनों ही देश कोई ऐसा कदम नहीं उठाएंगे, जिससे उनका चीन के साथ ट्रेडिंग पर कोई असर पड़े।

ट्रेड वार के बीच अमेरिका ये पूरी कोशिश करता हुआ दिखाई दे रहा है कि वे बाकी देशों के साथ अच्छे ट्रेडिंग रिश्ते बनाकर चीन को अलग कर दें। लेकिन क्या ऐसा हो पाएगा?

क्या चीन ट्रेड वार में अकेला रह जाएगा- रिपोर्ट में ये साफ बताया गया है कि आज के समय कई देश अमेरिका के मुकाबले चीन के साथ ज्यादा ट्रेडिंग कर रहे हैं। चीन कई देशों के लिए आज ट्रेडिंग के मामले में अमेरिका से ज्यादा बड़ा है। वहीं आईएमएफ की रिपोर्ट से भी यहीं बात जाहिर होती है।

आईएमएफ से मिले आंकड़ों की माने तो साल 2024 में 143 देशों में से 71 फीसदी देशों ने अमेरिका से ज्यादा चीन के साथ व्यापार किया है। इसके साथ ही 107 देशों में से 53 फीसदी ऐसे देश भी रहे हैं, जिन्होंने अमेरिका की तुलना में चीन के साथ दोगुना ज्यादा व्यापार किया है।

इस बात से ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि विश्व ट्रेडिंग के मामले में चीन, अमेरिका से ज्यादा बेहतर हैं। अगर हम इसकी तुलना साल 2001 से करें, जब चीन डब्ल्यूएचओ में शामिल हुआ था। उस समय ये आंकड़ा लगभग आधा था।

चीन ने दी है ये धमकी- ट्रेड वार के चलते चीन ने सभी देशों को ये धमकी दी है कि अगर कोई देश अमेरिका के साथ ऐसी ट्रेड डील करता है, जिससे चीन को नुकसान पहुंचेगा, तो वे उस देश के खिलाफ सख्त कार्यवाही करेगा।

पीएम किसान योजना वाले लाभार्थी की ऐसे बढ़ेगी किस्त, इस योजना का भी मिलता है लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम किसान योजना की शुरुआत किसानों को आर्थिक सहायता देने के लिए की गई थी। हालांकि इसके अलावा भी सरकार द्वारा कई और योजनाएं किसानों के हित में संचालित की जाती हैं, जिसके बारे में कम ही लोगों को पता होता है।

आज हम ऐसी ही एक स्कीम के बारे में बात करने वाले हैं। इस योजना का नाम पीएम किसान मानधन योजना है। इस योजना का लाभ पीएम किसान योजना के लाभार्थी ले सकते हैं। क्योंकि पीएम किसान निधि वाले लाभार्थी खुद ही पीएम मानधन में रजिस्टर हो जाते हैं। इसके लिए आपको अलग से अप्लाई नहीं करना पड़ता।

कैसे बढ़ती है किस्त- जैसा कि हमने बताया कि किसान निधि वाले खुद ही पीएम किसान मानधन में रजिस्टर हो जाते हैं। पीएम किसान मानधन के तहत किसानों को हर महीने 3000 रुपये पेंशन दी जाती है। जो हर साल 36 हजार रुपये हो जाती है। ये पेंशन किसानों को पूरी जिंदगी यानी आजीवन मिलती रहती है।

हालांकि इस योजना का लाभ 60 साल के बाद ही मिल पाता है। वहीं अगर आप इस योजना का लाभ उठाना चाहते हैं, तो उन्हें योजना में हर महीने 55 रुपये से लेकर 200 रुपये तक जमा करने होते हैं। यही पैसे किसानों को 60 साल या रिटायर होने के बाद दिए जाते हैं।

भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में हुआ पिछले 10 महीने में सबसे ज्यादा विकास

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2 मई शुक्रवार को पीएमआई इंडेक्स के आंकड़े सामने आए हैं। जो साफ तौर पर ये दर्शाते हैं कि भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में विकास हुआ है। अप्रैल 2025 के आए आंकड़ों के मुताबिक मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की विकास दर पिछले 10 महीनों में सबसे ज्यादा रही है।

Reuters की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2025 का पीएमआई इंडेक्स 58.2 अंक रहा है, जो मार्च 2025 के मुकाबले थोड़ा ज्यादा है। मार्च 2025 में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का पीएमआई इंडेक्स 58.1 रहा है। हालांकि पहले ये अनुमान लगाया जा रहा था कि अप्रैल 2025 में पीएमआई इंडेक्स 58.4 तक पहुंच जाएगा।

क्यों हुई मैन्युफैक्चरिंग उद्योग में वृद्धि- HSBC के भारतीय अर्थशास्त्री का कहना है कि अप्रैल के महीने में निर्यात में अच्छी खासी वृद्धि देखने को मिली है। वहीं उत्पादन में भी बढ़ोतरी आई है। जिसकी वजह से ही मैन्युफैक्चरिंग उद्योग में विकास देखने को मिला है।

मैन्युफैक्चरिंग में होने वाला उत्पाद जून 2024 से अब तक सबसे ज्यादा रहा है। वहीं निर्यात के ऑर्डर में पिछले 14 सालों में दूसरी बार सबसे ज्यादा वृद्धि देखने को मिली है। हालांकि जनवरी में गिरावट देखने को मिली थी। वहीं इस सर्वे ने बताया की पूरे विश्व में ब्रिकी की डिमांड बढ़ी है।

इसके साथ ही मार्च के मुकाबले Permanent और Temporary दोनों तरीके के कर्मचारियों की नियुक्ति में ग्रोथ आई है।

क्या होता है पीएमआई इंडेक्स- पीएमआई इंडेक्स को पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स कहा जाता है। ये मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में हो रहे विकास को मापने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसके जरिए आप किसी देश की अर्थव्यवस्था का भी आकलन कर सकते हैं। ये कई अलग-अलग तथ्यों को देखकर निर्धारित की जाती है।

बढ़ती कीमत ने घटाई गोल्ड ज्वेलरी की डिमांड, लेकिन फिर भी रेट में हो सकता है इजाफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते कुछ महीनों में सोने के दाम में आई रिकॉर्ड तेजी का असर सीधा इसकी बिक्री पर पड़ा है। इस साल की पहली तिमाही में सोने की बिक्री में 15 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा असर गोल्ड ज्वेलरी पर पड़ा है, जिसमें 25 फीसदी की गिरावट आई है।भारत में आमतौर पर सबसे ज्यादा सोने की खरीदारी त्योहार या उत्सव और शादी के समय होती है। लोग बढ़ती कीमत के बावजूद इस समय सोना जरूर खरीदते हैं। लेकिन इस बार ऊंची कीमतों के चलते कई लोगों के लिए सोना पहुंच से बाहर हो गया।

कितनी बढ़ी या घटी सोने की ब्रिकी- वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की ओर से जारी डेटा के मुताबिक, जनवरी-मार्च तिमाही में भारत में सोने की डिमांड 118.1 टन रही, जो पिछले साल इसी अवधि में 139 टन थी। वहीं गोल्ड ज्वैलरी की डिमांड 25 फीसदी घटकर 71.4 टन रह गई।

यह 5 सालों में सबसे कम है। हालांकि, सोने की ऊंची कीमतों के चलते मूल्य के आधार पर बिक्री सालाना आधार पर 8% बढ़त दर्ज करने में सफल रही।

निवेश के लिए सोने की डिमांड 7% बढ़ी - पहली तिमाही में सोने की कीमत बढ़कर 79,633 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गई थी।

इन वजहों से अटक सकता है आपका इनकम टैक्स रिफंड, कैसे करें बचाव?

नई दिल्ली (एजेंसी)। 30 अप्रैल 2025 को इनकम टैक्स विभाग ने आईटीआर फॉर्म जारी कर दिए हैं। वहीं, बहुत जल्द सभी कंपनियां भी अपने कर्मचारियों को फॉर्म-16 देना शुरू कर देंगी। इसमें सालाना इनकम, टैक्स डिडक्शन जैसी सभी जानकारी मौजूद होती है।

वहीं आईटीआर फाइल करने के दौरान कई लोग रिफंड के लिए भी अनुरोध करते हैं। यह रिफंड टीडीएस (टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स) के लिए किया जाता है। लेकिन कभी-कभी ये रिफंड अटक सकता है या फंस सकता है। अगर आप इनसे अपना बचाव करना चाहते हैं, तो कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

कब अटक सकता है आपका रिफंड- आमतौर पर आईटीआर फाइल करने के बाद 2 से 4 हफ्ते के बीच ही रिफंड मिल जाता है। लेकिन कभी-कभी ये रिफंड अटक भी सकता है। इसके ये कारण हो सकते हैं-

रिटर्न फाइल करते वक्त ई-वेरीफाई करना भूल जाना। क्योंकि वेरिफिकेशन के बाद ही डिपार्टमेंट से रिफंड जारी किया जाता है।

पैन कार्ड से आधार कार्ड लिंक ना होने से भी रिफंड अटक सकता है।

इसके अलावा टीडीएस (टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स) का मिलान ना होने से भी रिफंड अटक सकता है।

अगर आपने आईटीआर फाइल करते वक्त बैंक अकाउंट नंबर गलत दर्ज किया है, तो भी पैसे अटक जाते हैं।

वहीं आप घर बैठे ही ये पता लगा सकते हैं कि आपका रिफंड कब तक आ जाएगा। रिफंड से जुड़ा स्टेटस चेक करने के लिए नीचे दिए गए स्टेप्स को फॉलो करें।

कौन-सा टैक्स रिजीम है आपके लिए बेहतर- टैक्सपेयर्स के पास रिटर्न फाइल करते वक्त दो ऑप्शन हैं, जिनमें ओल्ड टैक्स रिजीम और नई टैक्स रिजीम शामिल हैं। ओल्ड टैक्स रिजीम में आपको सेक्शन 80सी जैसे फायदे मिलते हैं। वहीं नई टैक्स रिजीम में आपकी 12 लाख तक इनकम पर कोई टैक्स नहीं लगता। हालांकि इसमें सेक्शन 80सी जैसे टैक्स सेविंग लाभ नहीं मिलते।

आपके के लिए बेहतर क्या है, इस बात चुनाव आप दोनों ही टैक्स रिजीम में टैक्स कैलकुलेशन और अपनी जरूरत के हिसाब से कर सकते हैं।

रिटायरमेंट से पहले ही मिल जाएंगे PF के पैसे, इन परिस्थितियों में हो सकती है निकासी

ईपीएफओ द्वारा पीएफ से संबंधित सभी कार्य नियंत्रित किए जाते हैं। अक्सर हमें छोटे-मोटे काम के लिए एकमुश्त पैसों की जरूरत पड़ जाती है।

ऐसे में हम लोन का सहारा ले लेते हैं। लेकिन लोन लेने पर आपको प्रिंसिपल अमाउंट के साथ ब्याज भी चुकाना पड़ जाता है।

अगर आप भी ऐसी स्थितियों में लोन से बचना चाहते हैं, तो ईपीएफ का विकल्प चुन सकते हैं। ईपीएफ में जमा पैसों को कुछ परिस्थितियों में निकाला जा सकता है।

किन परिस्थितियों में निकाल सकते हैं पैसे - ईपीएफ या पीएफ में जमा पैसों को 10 अलग-अलग परिस्थितियों में निकाला जा सकता है। इनमें बच्चे की उच्च शिक्षा, घर खरीदना, इमरजेंसी, नौकरी जाना इत्यादि शामिल हैं। चलिए इनके बारे में एक-एक करके बात करते हैं।

इमरजेंसी में हो सकती है निकासी- अगर किसी के परिवार में मेडिकल इमरजेंसी हो जाए, तो ऐसी स्थिति में पीएफ से पैसे निकासी के लिए अनुरोध किया जा सकता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

19 साल की लड़की और 21 साल का लड़का फांसी पर लटके मिले, दोनों थे शादीशुदा

राजगढ़। भोजपुर थाना के अंतर्गत अचलपुरा में एक प्रेमी जोड़े ने आत्महत्या कर ली। दोनों के शव साड़ी के फंदे पर मोहवा पेड़ लटके मिले। जानकारी के मुताबिक अचलपुरा गांव के मोहन लाल जब सुबह शौच के लिए खेत पर गया तो देखा कि एक प्रेमी जोड़े ने आत्महत्या कर ली। दोनों के शव मोहवा के पेड़ पर लटक देख वह गांव की ओर भागा और गांव वालो को सूचना दी। इसके बाद गांव के सैकड़ो लोग एकत्रित हो गए और पुलिस को सूचना दी। भोजपुर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनो के शव को पेड़ से उतार कर खिलचीपुर शासकीय अस्पताल लेकर आए। जहां पर डॉक्टर द्वारा पीएम कर शव परिजनों को सौप दिया। दोपहर को परिजनों द्वारा अंतिम संस्कार किया। लड़के की पहचान राधेश्याम पिता देवीलाल तंवर 21 व लड़की की पहचान मंजूबाई पिता भंवरलाल तंवर 19 के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार राधेश्याम तवर उम्र 21 वर्ष और लड़की 19 वर्ष दोनों ने सुबह के समय मोहवाँ के पेड़ पर लटककर आत्महत्या कर ली। लड़की तीन दिन पहले ससुराल से मायके आई थी।

विवाहित था लड़का, पत्नी को नहीं भेज रहे थे

ससुराल वाले लड़के के पिताजी द्वारा बताया की लड़के की शादी डोडिया खेड़ी सीताराम की लड़की से को गई थी, लेकिन 2 साल से लड़की के पिताजी द्वारा कोर्ड केस कर रखा था और लड़की भेजने को मना किया गया था। लड़के को गांव की लड़की के साथ कोई प्रेम हुआ इसकी जानकारी मुझे नहीं थी। लेकिन लड़का उसके ससुराल वालों से परेशान था, जिसके कारण उसने यह कदम उठाया होगा। ससुराल से तीन दिन पहले आइ थी मृतिका

लड़की के पिताजी भंवरलाल तंवर ने बताया की लड़की की शादी दुर्जन पूरा के हरिओम से 3 साल पहले कर दी गई थी। वह ससुराल में ही 1 साल से रहती थी. हाल ही में 3 दिन पूर्व अपने मायके गांव आई थी. आज सुबह लड़की घर से पांच बजे निकली और 9 बजे हमे गांव से सूचना मिली की एक लड़का लड़की ने आत्महत्या कर ली. हम मौके पर पहुंचे तो मेरी लड़की गांव के लड़के के साथ आत्महत्या कर ली ।

इनका कहना है

गांव से सुबह के समय सूचना मिली थी की अचलपुरा गांव के एक प्रेमी जोड़े में आत्महत्या कर ली. हम मौके पर पहुंचकर कर दोनो के शव खिलचीपुर अस्पताल में आए जहा पर दोनो के शव का पीएम करवाकर परिजनों को सौप दिया और जांच की जा रही है।

- कैलाश चंद्र दांगी,
एसआई भोजपुर थाना

हिंदू महिलाओं ने भरी हुंकार, दोषियों के पुतले को फांसी पर लटकाया

भोपाल। हिंदू समाज की बेटियों और महिलाओं को के षड्यंत्रों में फंसाकर दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग की बढ़ती घटनाओं के विरोध में सकल हिंदू समाज की महिलाओं का शहर के 26 स्थानों पर प्रदर्शन चल रहा। शुक्रवार शाम पांच बजे से प्रदर्शन शूरू हो गया। सकल हिंदू समाज नगर के बोर्ड ऑफिस चौराहा, बीमा कुंज,अशोका गार्डन, वाजपेयी नगर,बैरागढ़, आशिमा माल,करोंद चौराहा,नादरा बस स्टैंड,डीआइजी बंग्ला सहित 26 स्थानों पर प्रदर्शन चल रहा है। प्रदर्शनों में बड़ी संख्या में युवतियां, महिलाएं, युवा, समाज के सभी वर्गों के नागरिक शामिल हैं। नादरा बस स्टैंड पर विराट विरोध प्रदर्शन इस अवसर पर सैकड़ों की तादाद में महिलाएं एवं बेटियां उपस्थित रही।कार्यक्रम में प्रतीकात्मक रूप से आरोपित को फांसी पर भी लटकाया गया। ओल्ड भोपाल के वाजपेई नगर मल्टी में हजारों की संख्या में महिलाएं शस्त्र लेकर उतरी मैदान में। लव जिहाद के खिलाफ आरोपितो को फांसी की सजा की मांग की। पहचान छुपाकर मासूम छात्राओं को बना रहे लव जिहाद का शिकार ऐसे आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग।

निर्दयी पिता ने की दो मासूम बेटों की हत्या, पत्नी पर भी हमला, भागकर बचाई जान

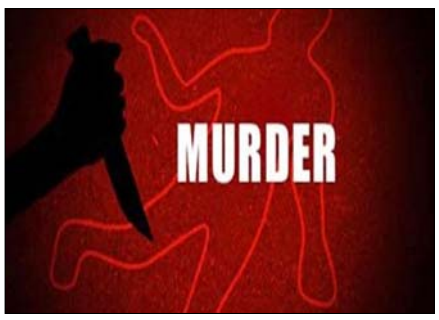

धार। धार जिले के डही थाना अंतर्गत एक निर्दयी पिता का ऐसा क्रूर चेहरा सामने आया है कि उसने पारिवारिक विवादों के चलते अपनी पत्नी से विवाद के बाद अपने तीन और चार साल के दो मासूम बेटों की धारदार हथियार से निर्ममता से हत्या कर दी। यह पूरा घटनाक्रम धार जिले की कुक्षी तहसील के डही थाना अंतर्गत ग्राम डिगवी के भंवरपुरा का है, जहां सिकदार नामक व्यक्ति अपने दो मासूम बेटों की हत्या कर फरार हो गया।

घटना के विषय में प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम डिगवी स्थित भंवरपुरा की निवासी मंजू पति सिकदार (उम्र 30 वर्ष) ने पुलिस को बताया कि बीती रात उसके पति सिकदार ने विवाद के चलते उसका गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। किसी तरह वह अपनी जान बचाकर अपने बड़े बेटे पंकज को लेकर घर से भाग गई। इस दौरान उसके दो छोटे बेटे – आकाश (उम्र 4 वर्ष) और विकास (उम्र 3 वर्ष) – घर पर ही रह गए थे। 2 मई की सुबह लगभग 8 बजे जब वह अपने घर लौटी तो देखा कि आकाश और विकास लहूलुहान हालत में घर के आंगन में पड़े हुए थे। धारदार हथियार से हमला होने के कारण अधिक खून बहने से दोनों की मौके पर ही मृत्यु हो चुकी थी।

महिला ने तत्काल ग्राम के पटेल प्रताप सिंह को सूचना दी, जिसके बाद यह मामला पुलिस तक पहुंचा। डही थाना पुलिस मौके पर पहुंची, मौका मुआयना कर मर्ग कायम किया और फरार आरोपी सिकदार की तलाश शुरू कर दी गई है। आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। दोनों बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए डही के अस्पताल भेजा गया है। घटना की खबर फैलते ही पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई और हर कोई स्तब्ध रह गया।

जयपुर में सीरियल ब्लास्ट की साजिश के आरोपित फिरोज मोहम्मद को लेकर रतलाम पहुंची एनआईए

रतलाम। जयपुर में सीरियल ब्लास्ट की साजिश रचने के मामले में जेल में बंद कट्टरपंथी अल सुफ़ा के सदस्य आरोपित फिरोज खान पुत्र फकीर मोहम्मद सब्जीवाला निवासी रतलाम को जयपुर से एनआईए की टीम गुरुवार रात रतलाम लेकर पहुंची। उसे शुक्रवार सुबह साजिश रचने के मास्टरमाइंड आरोपित इमरान खान के जुलवानिया स्थित फार्म हाउस पर ले जाया गया जहां बैठकर साजिश रची गई थी। फार्म हाउस पर उससे घटना स्थल की तस्दीक कराई गई तथा कुछ बिंदुओं पर पूछताछ की गई। वहीं उसे उसके घर भी ले जाया गया वहां उसके रिश्तेदारों से भी पूछताछ की गई।

इसके बाद उसे स्टेशन रोड थाने ले जाया गया कुछ देर में रखने के बाद दोपहर में उसे एनआईए की टीम लेकर जयपुर के लिए रवाना हो गई।

उल्लेखनीय है कि 30 मार्च 2022 को राजस्थान के निंबाहेड़ा में राजस्थान पुलिस ने 12 किलो विस्फोटक सामग्री के साथ रतलाम के आरोपित जुबेर निवासी आनंद कॉलोनी, अल्तमस पुत्र बशीर खान और सरफुद्दीन उर्फ सेफुल्ला पुत्र रमजानी दोनों निवासी शेरानीपुरा को गिरफ्तार किया था।

पूछताछ के बाद उनके साथियों इमरान खान सहित सात ओर आरोपितों को अलग अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया था। फिरोज फरार हो गया था। उसकी गिरफ्तारी पर लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था।

एक पहले पुलिस ने पकड़ा था

आरोपित फिरोज डेढ़ माह पहले रतलाम आकर अपनी बहन के घर छिपकर रह रहा था।

सूचना मिलने पर रतलाम पुलिस ने दो अप्रैल 2025 की सुबह उसकी बहन के घर दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया था।

इस दौरान उसने पुलिसकर्मियों से झूमाझटकी कर भगाने का प्रयास भी किया था।

इस मामले में उसके खिलाफ स्टेशन और थाने पर प्रकरण भी दर्ज किया गया था। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया था, जहां से उसे जेल भेज दिया गया था। बाद में उसे रतलाम जेल से भोपाल जेल शिफ्ट कर दिया गया था। एक हफ्ते पहले एनआईए उसे भोपाल जेल से प्रोडक्शन वारंट पर जयपुर ले गई थी, जहां उससे उसके साथियों तथा अन्य बिंदुओं के बारे में पूछताछ की गई ।

ऑनलाइन मंगाई खिचड़ी में मिली थी मक्खी, करीब एक साल बाद होटल पर लगा 15 हजार रुपये का फाइन

भोपाल । भोपाल के गौतम नगर निवासी एक युवक ने स्विगी (ऑनलाइन फूड एप) पर ऑर्डर कर वृंदावन ढाबे से खिचड़ी मंगाई। युवक को जब खिचड़ी डिलीवर हुई तो उसमें मक्खी नजर आई। युवक ने होशंगाबाद रोड स्थित होटल वृंदावन व स्विगी से शिकायत की, लेकिन किसी ने गलती नहीं मानी।

युवक ने जिला उपभोक्ता आयोग में इसकी शिकायत की। आयोग ने करीब एक साल बाद होटल को दोषी मानते हुए 15 हजार 130 रुपये का क्षतिपूर्ति राशि देने का आदेश दिया। आयोग के अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ल व सदस्य डॉ. प्रतिभा पांडेय की बेंच ने यह निर्णय सुनाया। लस्सी और बटर खिचड़ी मंगाई थी अभिषेक दीक्षित ने वृंदावन ढाबा एंड रेस्टोरेंट और स्विगी के खिलाफ 23 मई 2024 को याचिका लगाई थी। शिकायत की थी कि 25 मार्च 2024 को रात 10.35 बजे ऑनलाइन फूड डिलीवरी से उन्होंने एक लस्सी एवं एक बटर खिचड़ी का ऑर्डर किया था। पैकिंग खिचड़ी में मक्खी दिखाई दी इसका बिल 170 रुपये था, जिसमें डिस्काउंट कूपन लगाने के बाद 130 रुपये का भुगतान किया।

तीन साल की बच्ची ने लिया संथारा, दुनिया का सबसे कम उम्र का त्याग, माता-पिता दोनों IT प्रोफेशनल

इंदौर। इंदौर में एक तीन साल की बच्ची को संथारा दिलाने का मामला सामने आया है, जिसने पूरे जैन समाज और देशभर में चर्चा पैदा कर दी है। इस बच्ची को एक वर्ष पूर्व ब्रेन ट्यूमर की गंभीर बीमारी से पीड़ित पाया गया था, जिसका इलाज मुंबई में चल रहा था। अमर उजाला से बातचीत में बच्ची के माता-पिता पीयूष और वर्षा जैन ने बताया कि 21 मार्च को जैन मुनि श्री के सुझाव पर उसे संथारा दिलाया गया। धार्मिक प्रक्रिया के चंद मिनटों बाद ही बच्ची का निधन हो गया।

जैन समाज द्वारा इस निर्णय के लिए माता-पिता का सम्मान किया गया है और दावा किया गया है कि इतनी कम उम्र में संथारा दिलाने का यह पहला मामला है, जिसे गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज किया गया है।

बच्ची के माता-पिता ने बताया कि वियाना उनकी इकलौती संतान थी और मात्र 3 वर्ष, 4 माह और 1 दिन की आयु में इस संसार से विदा हो गई। पिछले साल दिसंबर में उसके

ब्रेन ट्यूमर का पता चला था। पहले इंदौर और फिर मुंबई में इलाज कराया गया, लेकिन कोई विशेष सुधार नहीं हुआ। डेढ़ माह पूर्व वे बच्ची को आध्यात्मिक संकल्प अभिग्रह-धारी राजेश मुनि महाराज के दर्शन कराने ले गए। वहां मुनिश्री ने बच्ची की स्थिति को गंभीर बताते हुए संथारा का सुझाव दिया। चूंकि परिवार मुनिश्री के अनुयायी हैं और मुनिश्री पूर्व में 107 संथारों का संचालन कर चुके हैं, इसलिए पूरे परिवार की सहमति से संथारा प्रक्रिया आरंभ की गई। आधे घंटे तक चली इस धार्मिक प्रक्रिया के 10 मिनट बाद ही वियाना ने प्राण त्याग दिए।

वियाना के माता-पिता पीयूष और वर्षा जैन दोनों ही आईटी प्रोफेशनल हैं। उन्होंने बताया कि इस निर्णय की जानकारी उन्होंने केवल परिवार के कुछ करीबी सदस्यों दादा-दादी, नाना-नानी और कुछ रिश्तेदारों से ही साझा की थी। संथारा की यह धार्मिक विधि आध्यात्मिक संकल्प अभिग्रह-धारी राजेश मुनि महाराज और सेवाभावी राजेन्द्र मुनी महाराज साहब के सान्निध्य में पूरी की गई। इस अल्पायु में संथारा लेने की वजह से वियाना का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। बीते बुधवार को इंदौर के कीमती गार्डन में आयोजित एक सादे एवं गरिमामयी समारोह में इसके लिए माता-पिता को सम्मानित भी किया गया।

वियाना के माता-पिता का कहना है कि उनकी बेटी जैन धर्म के सर्वोच्च व्रत संथारा को धारण करने वाली विश्व की सबसे कम उम्र की बालिका बन गई है।

हँसी का नया अंदाज़ लाफ्टर इंदौरी के साथ - जुलाई से शुरू होगा एक अनोखा स्टैंडअप कॉमेडी शो

इंदौर। लुनिया विनायक ग्रुप ऑफ कंपनी एक बार फिर मनोरंजन जगत में नई ऊर्जा के साथ प्रवेश करने जा रहा है। जुलाई 2025 से प्रारंभ होने जा रहा है एक विशेष स्थानीय स्टैंडअप कॉमेडी टैलेंट शो – हँसी का नया डोज़ ड्ड लाफ्टर इंदौरी, जिसका उद्देश्य देशभर के उभरते हास्य कलाकारों को एक सशक्त मंच प्रदान करना है।

यह कार्यक्रम अंबाजी म्यूज़िक प्रोडक्शन के बैनर तले निर्मित किया जा रहा है, जिसके निर्माता हैं विनायक जैन लुनिया, जबकि निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं प्रख्यात निर्देशक अमिताभ चौहान।

इस हास्यप्रधान शो का प्रसारण एस.डी. न्यूज़ नेटवर्क के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स पर किया जाएगा, जिससे देशभर के दर्शक इस मनोरंजक यात्रा से जुड़ सकें।

शो का पूर्व- एवं पश्च-निर्माण कार्य मई 2025 से आरंभ हो रहा है है, और इसका भव्य शुभारंभ जुलाई माह में प्रस्तावित है।

शो के सह-निर्माता विशाल जैन ने जानकारी दी कि प्रथम सत्र (सीज़न 1) में कुल 13 एपिसोड होंगे, जिनमें विभिन्न राज्यों से चयनित होनहार स्टैंडअप कॉमेडियन्स दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। यह शो विशेष रूप से मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक नगरी इंदौर से संचालित किया जाएगा।

अंबाजी म्यूज़िक प्रोडक्शन के प्रमुख श्री जैन ने बताया कि उनका प्रोडक्शन हाउस विगत दो दशकों से प्रतिभाओं की खोज कर उन्हें मंच देने का कार्य करता आ रहा है। अतीत में कई क्षेत्रीय कलाकारों को म्यूज़िक एलबम व फिल्मों के माध्यम से लॉन्च किया गया है, जो आज बॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुके हैं।

जिले में सुरक्षा और गोपनीयता के माकूल इंतजाम

इंदौर। राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनटीए) नई दिल्ली द्वारा NEET(UG) परीक्षा 4 मई को आयोजित होगी। यह परीक्षा इंदौर जिले के 49 परीक्षा केन्द्रों पर एक साथ आयोजित की जायेगी। उक्त परीक्षा पूर्ण व्यवस्थित सुचितापूर्ण तथा नियम और निर्देशों के अनुरूप आयोजित कराने के लिए व्यापक तैयारियां की गई है। इसके लिए कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सभी 49 परीक्षा केन्द्रों पर मजिस्ट्रेट भी तैनात किये हैं। उक्त सभी अधिकारी संबंधित परीक्षा केन्द्रों पर निर्धारित समय पर उपस्थित रहकर परीक्षा की प्रत्येक गतिविधि का सूक्ष्म परीक्षण करेंगे। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये है कि वे परीक्षा आयोजन तिथि के पूर्व संबंधित परीक्षा केन्द्र पर पहुँचे, परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करें। केन्द्राध्यक्ष से चर्चा कर केन्द्र सम्पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करायें। किसी भी तरह की कमियां पाये जाने पर उसे तुरंत सुधार करायें। पूरी परीक्षा के दौरान गोपनीयता और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाये। बताया गया कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा के माकूल इंतजाम रहेंगे। पर्याप्त पुलिस बल रहेगा। परीक्षा के दौरान सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए कलेक्टर कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया गया है। इस कंट्रोल रूम के प्रभारी संयुक्त कलेक्टर श्री विजय मंडलोई (मोबाइल नम्बर-9425101379 तथा 7089101379) रहेंगे।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने हितग्राहियों को वितरित की करोड़ों रुपये की सहायता राशि

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने सांवेर में आयोजित एक कार्यक्रम के माध्यम से सांवेर विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों हितग्राहियों को करोड़ों रुपये की सहायता राशि वितरित की। यह राशि मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत वितरित की गई। श्री सिलावट ने कहा कि सांवेर विधानसभा क्षेत्र में अब तक मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के तहत वर्ष 2018 से लेकर अब तक 2850 हितग्राहियों को कुल 38 करोड़ 99 लाख रुपये की सहायता राशि वितरित की जा चुकी है। इनमें अंत्येष्टि सहायता,

सामान्य मृत्यु, दुर्घटना मृत्यु, आंशिक और स्थायी दिव्यांगता सहायता शामिल हैं।

बताया गया कि विशेष रूप से नगर परिषद सांवेर के 169 हितग्राहियों को 2.43 करोड़ रुपये, जनपद पंचायत सांवेर के 1778 हितग्राहियों को 17.62 करोड़ रुपये और जनपद पंचायत इंदौर के 903 हितग्राहियों को 18.94 करोड़ रुपये की राशि दी जा चुकी है।

सांवेर में सम्पन्न हुये कार्यक्रम में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत वर्ष 2025-26 की प्रथम किस्त में विधानसभा सांवेर की छह तहसीलों के लगभग 350 ग्रामों के 28 हजार से अधिक किसानों को लगभग 6 करोड़ रुपये की राशि सीधे उनके खातों में जमा की गई।

विद्युत सुरक्षा मापदंड पालन के लिए बिजली कंपनी का अभियान

इन्दौर। विद्युत सुरक्षा मापदंडों के पालन, सुरक्षा उपकरणों के उपयोग, प्रोटोकॉल का ध्यान रखने को लेकर बिजली वितरण कंपनी ने अभियान संचालित किया हैं। इसके तहत इंदौर ग्रामीण वृत्त के भौरासला और धामनोद में सुरक्षा मॉक ड्रिल का गुरुवार को आयोजन हुआ।

अधीक्षण यंत्री डॉ. डीएन शर्मा ने बताया कि प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह के निर्देश एवं मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रकाश सिंह चौहान के मार्गदर्शन में सुरक्षा नियमों के पालन के लिए सभी 38 जोन, वितरण केंद्रों के प्रभारियों के आदेशित किया गया हैं, ताकि हादसों में कमी लाई जा सके और कार्मिकों की सुरक्षा के साथ उपभोक्ता सेवाओं में और बेहतरी की जा सके। उन्होंने बताया कि अरविंदो अस्पताल के पास भौरासला एवं धामनोद में कार्मिकों ने इसी क्रम में मॉक ड्रिल का आयोजन कर वृत्त के कार्मिकों को नियम पालन के लिए आह्वान भी किया। सुरक्षा शपथ भी ली गई। धार के नौगांव में भी इस तरह का महत्वपूर्ण आयोजन अधीक्षण यंत्री श्री निर्मिल शर्मा, श्री डीके गाठे की मौजूदगी में हुआ।

खंडवा जिले में अधीक्षण यंत्री श्री सुधीर आचार्य की मौजूदगी में सुरक्षा मापदंडों के पालन में मैदानी कार्यों का परीक्षण हुआ। खरगोन में कार्यपालन यंत्री श्री सौरभ साहू व अन्य अभियंताओं की मौजूदगी में सुरक्षा शपथ दिलाई गई। इधर कंपनी ने विभिन्न अधिकारियों को मॉक ड्रिल के लिए पर्यवेक्षण अधिकारी बनाया हैं। 2 मई को अधीक्षण यंत्री श्रीमती कीर्ति सिंह बड़वानी में, श्री चिंतामणि ठकार रतलाम में, श्री एसएस अस्सी उज्जैन में, श्री नरेंद्र दुबे देवास में, श्री डीके श्रीवास्तव झाबुआ पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का पर्यवेक्षण करेंगे।

युवाओं को हथकरघा एवं हस्तशिल्प के कौशल विकास का दिया जायेगा तीन माह का प्रशिक्षण

इंदौर। राज्य शासन के जिला हथकरघा कार्यालय एवं प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर द्वारा युवाओं को हथकरघा एवं हस्तशिल्प के कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जायेगा। इसके लिए इच्छुक युवा पोलोग्राउण्ड स्थित जिला हथकरघा कार्यालय एवं प्रशिक्षण केन्द्र में संपर्क कर आवेदन दे सकते है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने बताया है कि वर्ष 2025-26 में जिले को प्राप्त होने वाले संभावित बजट से पहले आओ-पहले पाओं की तर्ज पर जिले में हाथकरघा वस्त्र उत्पादन एवं हस्तशिल्प क्षेत्र को बढ़ावा देने व नवीन बुनकर/शिल्पियों को तैयार कर रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उक्त योजनान्तर्गत प्रस्ताव आमंत्रित किए जा रहे है।

साथ ही यह भी बताया गया की ऐसे बेरोजगार युवक/युवतियाँ अथवा गृहिणी जो अपना स्वयं का रोजगार स्थापित करना एवं वस्त्र बुनाई के क्षेत्र में कार्य करना चाहते है, उन्हें कार्यालय के प्रशिक्षण केन्द्र में 03 माह का हाथकरघा वस्त्र बुनाई प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। जिसमें प्रशिक्षण प्राप्तकर्ता को प्रत्येक माह छात्रवृति का भुगतान भी किया जाता है।

इच्छुक आवेदक नवीन सत्र में अपना आवेदन कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी सहायक संचालक, जिला हाथकरघा कार्यालय एवं प्रशिक्षण केन्द्र इन्दौर 3-पोलो ग्राउण्ड जवाहर आईस फेक्ट्री के सामने स्थित कार्यालय में उपस्थित हो प्राप्त की जा सकती है।

लुनिया विनायक ग्रुप ऑफ कंपनी बनाएगा 8 लाख महिलाओं को उद्यमी, देश में 50 लाख रोज़गार सृजन में निभाएगा अहम भूमिका

इंदौर। मजदूर दिवस के अवसर पर लुनिया विनायक ग्रुप ऑफ कंपनी ने एक महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम की घोषणा की है, जिसके तहत देशभर की 8 लाख महिलाओं को उद्यमिता से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। इस पहल के माध्यम से लगभग 50 लाख रोज़गारों का सृजन करने का लक्ष्य रखा गया है।

ग्रुप के चेयरपर्सन विनायक लुनिया ने इस अवसर पर कहा कि, मजदूर वही है जो मेहनत करता है, चाहे वह गरीब हो या संपन्न – फर्क सिर्फ उसकी कार्यशैली का होता है। देश और दुनिया की प्रगति मेहनतकश लोगों की ईमानदार मेहनत का ही परिणाम है।

उन्होंने आगे बताया कि लुनिया विनायक ग्रुप हैंडीक्राफ्ट, हर्बल प्रोडक्ट्स और भारतीय मसालों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए देश की लाखों महिलाओं को एक्सपोर्ट व्यवसाय से जोड़ने जा रहा है। यह महिलाएं न केवल स्वयं का उद्यम प्रारंभ करेंगी बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

नारी शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं को सभी आवश्यक सरकारी पंजीयन, व्यावसायिक प्रशिक्षण, तथा निर्यात प्रक्रिया से परिचित करवाया जाएगा। साथ ही, उनके लिए विशेष प्रशिक्षण कोर्स भी चलाए जाएंगे, जिससे वे कुशल उद्यमी बन सकें।

विनायक लुनिया ने कहा कि हमारा लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2025-26 तक देश में 50 लाख नए रोज़गारों का सृजन करना है, जिसके लिए हमारी टीम दिन-रात मेहनत कर रही है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को जोड़ने के प्रयास लगातार जारी हैं।

कोरोना मरीजों की रिपोर्ट आई नेगेटिव

इंदौर। इंदौर जिले में पिछले सप्ताह अरविन्दो चिकित्सालय में भर्ती मरीजों में से तीन मरीजों की कोरोना जाँच रिपोर्ट पॉजिटिव होने पर इसकी सूचना मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दी गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. सैत्या ने बताया कि उक्त प्रकरणों की गंभीरता को देखते हुए, मरीजों के सेम्पल की एम.जी.एम. कॉलेज के माईक्रोबायोलॉजी शासकीय लैब में पुनः जाँच कराने पर तीनों मरीजों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। उक्त मरीजों में इंदौर जिले के दो मरीज जिसमें एक 74 वर्षीय महिला एवं एक 41 वर्षीय पुरुष तथा एक अन्य 38 वर्षीय मरीज देवास जिले के निवासी हैं। इन मरीजों में से 74 वर्षीय महिला की उपचार के दौरान किडनी फेल होने के कारण मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई। वर्तमान में एक मरीज भर्ती है, जिसका स्वास्थ्य स्थिर है।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

शंकर का स्वर, वेदों की गूंज और भारतीय सांस्कृतिक नवजागरण का उद्घोष मिलकर काम करें जनअभियान और पाणिनि विवि-गौरव धाकड़

उज्जैन। महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में जन अभियान परिषद के सहयोग से आदि शंकराचार्य जयंती के पावन अवसर पर एकात्म व्याख्यानमाला का आयोजन सम्पन्न हुआ। जिसका संचालन् ब्लॉक समन्वयक जन अभियान अरुण व्यास ने किया । विवि के महामहिम राज्यपाल मनोनीत कार्यपरिषद सदस्य गौरव धाकड़ ने अपने उद्बोधन में कहा– 2014 के बाद से ही भारत एक नवीन सांस्कृतिक नवजागरण की दिशा में गतिमान है।

आदि शंकराचार्य के विचार केवल ग्रंथों तक सीमित नहीं हैं, वे अब जनचेतना में पुनः जागृत हो रहे हैं। यह वह क्षण है जब सनातन संस्कृति आधुनिक भारत से संवाद स्थापित कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं सांकृति प्रवर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व को इस सांस्कृतिक पुनरुत्थान का प्रेरक बताया। मुख्य

वक्ता साध्वी हेमलता जी दीदी माँ सरकार ने अद्वैत वेदांत की गूढ़ व्याख्या करते हुए कहा कि आदि शंकराचार्य जी ने आत्मबोध, नारी जागरण एवं युवाशक्ति को एक सूत्र में पिरोकर सनातन धर्म को जीवंत परंपरा में रूपांतरित किया। सामाजिक भेदभाव का निवारण कर समरस समाज की स्थापना का आग्रह भी उन्होंने मनःपूर्वक किया।

अध्यक्ष, कामधेनु गौसेवा संघ एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ,हरियाणा प्रांत से पधारे वरिष्ठ सदस्य आचार्य मनीष श्री हरि ने युवाओं को ब्रह्म सत्यं, जगन्मिथ्या की अवधारणा के माध्यम से आत्मविमर्श व लक्ष्यनिर्धारण हेतु प्रेरित किया। अध्यक्षीय उद्बोधन मे कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. ने विश्वविद्यालय के दर्शन विभाध्यक्ष अखिलेश द्विवेदी व टीम की इस सांस्कृतिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि दर्शन, अध्यात्म एवं सांस्कृतिक संवाद की परंपरा को पुनर्जीवित करना ही आज के शिक्षण संस्थानों का कर्तव्य है।प्रो मेनन ने आचार्य शंकर के जीवन एवं कृतित्व पर आधारित प्रामाणिक प्रकाशनों की आवश्यकता पर भी बल दिया।

इस अवसर पर उज्जैन संभाग साशी निकाय सदस्य श्रीमती अजीता परमार,उज्जैन संभाग समन्वयक शिवप्रसाद मालवीय,उज्जैन जिला समन्वयक जय दीक्षित, उज्जैन ब्लॉक समन्वयक अरुण व्यास, एवं दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. अखिलेश द्विवेदी की गरिमामयी उपस्थिति रही। आभार प्रदेश डॉ शैवाल आचार्य ने किया ।

महाराष्ट्र समाज में हुआ सामूहिक उपनयन संस्कार

उज्जैन। महाराष्ट्र समाज द्वारा वैशाख शुक्ल पंचमी श्री आद्यशंकराचार्य जयंती के अवसर पर हिंदू धर्म के सौलह संस्कारों में से 11वां संस्कार सामूहिक उपनयन संस्कार हुआ। जिसमें इंदौर, नागदा, उज्जैन, राधौगढ़ आदि स्थानों से पधारे बटुकों का यज्ञोपवित मुंडन के साथ संस्कार संपन्न हुआ। कार्यक्रम के संयोजक वेदमूर्ति पं. विश्वास करहाड़कर, पं. संजय दिवटे ने बताया कि उज्जैन के महाराष्ट्र समाज के प्रसिध्द वेदमूर्ति पं. दिलीप कोरान्ने के आचार्यत्व में पं. हेमंत पाध्ये, पं. अनिरूध्द पुराणिक, पं. राजेश कोरान्ने, पं. प्रथम कोरान्ने, पं. भावेश कोरान्ने, गौरांश कोरान्ने, पं. दत्तात्रय आदि वेदमूर्ति पंडित द्वारा संपन्न कराया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कालिदास अकादमी के निदेशक गोविंद गंधे, विशेष अतिथि भाजपा के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, अभा ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पं. सुरेंद्र चतुर्वेदी, अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता राहुल कटारिया, मराठा समाज के सचिव रणजीत सपकाले आदि उपस्थित अतिथियों ने बटुकों का समाज की ओर से स्वागत कर सम्मान पत्र प्रदान किया एवं कार्यक्रम में शामिल समस्त परिवारों का स्वागत किया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष पंकज चांदोरकर, उपाध्यक्ष सदाशिव नायगांवकर, सचिव सुशील मूले, सहसचिव रविंद्र मूले, मिलिंद पन्हालकर, सदस्य संदीप विपट, प्रदीप जोग, निलेश फडणीस, जयवंत श्योपुरकर, आरती वझे, सुचित्रा केतकर, अनुराधा गुमास्ते, रूपाली विपट आदि महिला कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम पश्चात बटुकों का विशाल चल समारोह निकाला गया।

जगतगुरु श्री रामानुजाचार्य जयंती पर रामानुजकोट से निकला चल समारोह

उज्जैन। आद्य जगतगुरु भाष्यकार श्री रामानुजाचार्य स्वामी के जन्मोत्सव पर शुक्रवार को रामघाट मार्ग स्थित श्री रामानुजकोट आश्रम से पीठाधीश्वर स्वामी श्री रंगनाथाचार्य जी महाराज, युवराज स्वामी श्री माधव प्रपन्नाचार्य जी महाराज के सानिध्य में चल समारोह निकाला गया। आश्रम के प्रबंधक पंडित आत्माराम शर्मा ने बताया कि चल समारोह में घोड़ों पर बटुक सवार होकर ध्वज लेकर निकले तो बग्गी में संत, भगवान के चित्र आदि थे।

शंकराचार्य परंपरा को संत ही सनातन से जोड़े हुए हैं– पं. चतुर्वेदी

उज्जैन। ढाई हजार वर्ष पूर्व आद्य जगतगुरु शंकराचार्य महाराज ने जिस सनातन धर्म की रक्षा के लिए संपूर्ण भारत का भ्रमण कर चारों दिशाओं में चार मठों की स्थापना की थी उसी शंकराचार्य परंपरा को देश और दुनिया में महामंडलेश्वर और संत समाज ही सनातन धर्म से आज जोड़े हुए हैं। इसीलिए आज हम शंकराचार्य जयंती पर महामंडलेश्वरों व संतों का सम्मान कर सनातन परंपरा को गौरवान्वित कर रहे हैं।

उक्त उद्गार अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेंद्र चतुर्वेदी ने चार धाम मंदिर उज्जैन में शंकराचार्य जयंती पर आयोजित महामंडलेश्वर एवं संत सम्मान समारोह में प्रकट किये। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज द्वारा इस अवसर पर चार दिवसीय भगवान परशुराम प्रकट उत्सव एवं जगतगुरु शंकराचार्य जयंती का समापन अवसर पर महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद जी सरस्वती की उपस्थिति में आयोजित समारोह में महामंडलेश्वर शैलेषानंद गिरि महाराज जूना अखाड़ा आदि।

ज्ञान दास जी महाराज महामंडलेश्वर दादूराम आश्रम, तथा संत समिति उज्जैन अध्यक्ष विशाल दास जी महाराज, इस्कॉन के संत जगत जीवनदास जी महाराज, जितेंद्र दास महाराज आदि का सम्मान अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज की ओर से एवं समस्त सनातन धर्मावलम्बियों की ओर से संत सत्कार समिति की ओर से किया गया। इस अवसर पर भारतीय ब्राह्मण समाज संरक्षक सुरेश मोढ, जियालाल शर्मा, महामंत्री तरुण उपाध्याय, पार्षद एवं परशुराम चल समारोह के संयोजक पंडित रामेश्वर दुबे, नगर निगम पूर्व अपर कमिश्नर आदित्य नागर, महाकालेश्वर मंदिर समिति सदस्य राजेंद्र शर्मा गुरु, पंडित विनय ओझा, संत सत्कार समिति के रामेश्वर जोशी, रविंद्र भारद्वाज, निपुण पालीवाल, राजेश व्यास, डॉ आरके नागर, पूर्व महाकाल प्रशासक आनंदी लाल जोशी, गोकुल शर्मा, विशाल शर्मा, सुषमा सेठिया, मनोज विश्वकर्मा, प्रहलाद गुप्ता आदि ने प्रमुख रूप से उपस्थित होकर संतों का सम्मान अभिनंदन किया।

टूना मछली- तेज तैराक, पोषण का खजाना और सतत विकास का प्रतीक

विश्व टूना दिवस पर विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में विशेष परिसंवाद आयोजित

उज्जैन। पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान - कृषि एवं सांख्यिकी अध्ययनशाला, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में विश्व टूना दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष परिसंवाद का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य टूना मछली के संरक्षण और इसके सतत उपयोग के प्रति लोगों को जागरूक करना था। टूना एक समुद्री मछली है जो अपने स्वाद, पोषण और आर्थिक महत्व के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है।

टूना मछली प्रोटीन का एक समृद्ध स्रोत है और इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन -12 और कई आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह विशेष रूप से जापान, अमेरिका और यूरोपीय देशों में अत्यंत लोकप्रिय है। वर्तमान में उपभोक्ताओं का रुझान स्वच्छ-लेबल और पर्यावरण-अनुकूल समुद्री खाद्य उत्पादों की ओर बढ़ रहा है। इसी संदर्भ में विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. डॉ. अर्पण भारद्वाज ने आयोजन पर अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए परिसंवाद के विषय टूना- कृषि-व्यापार संभावनाओं की तेज तैराक ङ्क आंकड़ों की नजर से को अत्यंत प्रासंगिक बताया।

समुद्रों की रक्षा करें, तभी सतत विकास संभव है प्रो. डॉ. धर्मेंद्र मेहता-इस अवसर पर कार्यक्रम के सूत्रधार एवं संस्थान निदेशक प्रो. डॉ. धर्मेंद्र मेहता ने अपने विचार साझा करते हुए संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने विशेष रूप से लक्ष्य क्रमांक 14 - पानी के नीचे जीवन का उल्लेख करते हुए बताया कि मछलियाँ और महासागर न केवल जैव विविधता के महत्वपूर्ण अंग हैं, बल्कि खाद्य सुरक्षा, गरीबी उन्मूलन और आजीविका के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं।

उन्होंने बताया कि टूना मछली का व्यापार कई देशों की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्तंभ है।

परिसंवाद में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सांख्यिकिविद, गूगल स्कॉलर और प्रतिष्ठित विद्वान प्रो. डॉ. एच.पी. सिंह ने बताया कि टूना मछली के वैश्विक व्यापार पर कई देशों की निर्भरता इसे केवल खाद्य पदार्थ नहीं बल्कि आर्थिक संसाधन बनाती है।

उन्होंने इस दिशा में दिसंबर 2023 की एक प्रमुख उपलब्धि का भी उल्लेख किया, जब लोकप्रिय समुद्री खाद्य ब्रांड टोनिनो ने अमेरिका और अन्य विदेशी बाजारों में डिब्बाबंद येलोफिन टूना की छह नई किस्में वॉलमार्ट स्टोर्स पर लॉन्च कीं, जिनमें पानी में मीठे मकई के साथ प्रीमियम टूना और वनस्पति तेल में गाजर-मटर के साथ प्रीमियम टूना शामिल हैं।

इस अवसर पर कृषि एवं सांख्यिकी अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष एवं संकाय अध्यक्ष प्रो. डॉ. राजेश टेलर ने प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग की आवश्यकता को दोहराते हुए कहा कि टूना मछली दिवस हमें समुद्री जीवन और पर्यावरण की रक्षा के प्रति हमारी जिम्मेदारी का स्मरण कराता है।

प्रतिभाशाली छात्र–छात्राओं को सम्मानित करना गर्व की बात– गंगाधर महा

उज्जैन। प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित करना गर्व की बात है। दौलतगंज स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस गार्डन मे आयोजित सम्मान समारोह में उपरोक्त उदगार एस.यू.डी लाइफ इंश्योरेंस इंदौर के एरिया प्रमुख गंगाधर महा ने छात्र छात्राओं को अपने मुख्य अतिथि उद्बोधन में संबोधित करते हुए कहे। कार्यक्रम संयोजक बाबर खान एवं सह संयोजक फैसल अहमद एडवोकेट ने बताया कि एक गरिमामय सम्मान समारोह विनोद लाला जन्मोत्सव समिति ने सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी के मार्गदर्शन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस गार्डन उज्जैन में संपन्न हुआ। जिसमें पांचवी और आठवीं परीक्षा में उच्च अंकों से पास हुए 101 प्रतिभाशाली छात्राओं को, स्वामी विवेकानंद अवार्ड से सम्मानित किया गया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com